RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 14 ■ अंक - 24 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 15-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तिरंगा यात्रा में शामिल हुए

6 उपलब्धियों का उत्सव, आत्ममंथन का अवसर

7 संदीपा धर ने किए शंकराचार्य मंदिर के दर्शन

80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, हितैषियों, विज्ञापनदाताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार 15 अगस्त 2026 को दक्षिण भारत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 17 अगस्त 2026 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

फर्स्ट टेक

सरकार प्रश्नपत्र लीक पर अंकुश लगाने के लिए व्यापक सुधार कर रही : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि सरकार सार्वजनिक परीक्षाओं में सुधार के लिए व्यापक कदम उठा रही है और सुधारों का उद्देश्य इनमें अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर पूरी तरह से अंकुश लगाना तथा परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं युवाओं के लिए भरोसेमंद बनाना है। राष्ट्रपति ने 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि जिस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार और समाज एकजुट रहते हैं, उसी तरह छात्रों के वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा के लिए सभी को मिलकर और ठोस प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा, सार्वजनिक परीक्षाएं, विद्यार्थियों के लिए अवसरों के द्वार खोलती हैं। इसलिए, सरकार इन परीक्षाओं में सुधार के लिए व्यापक कदम उठा रही है। इन सुधारों का उद्देश्य है कि सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर पूरी तरह से अंकुश लगे, परीक्षा प्रणाली और अधिक पारदर्शी तथा युवाओं के लिए सुरक्षित एवं भरोसेमंद बने।उन्होंने 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम के तहत युवाओं के विकास और राष्ट्र-निर्माण के लिए खेल को एक अहम जरिया बताया। राष्ट्रपति मुर्मू ने भारतीय सशस्त्र बलों के ''असाधारण साहस'' की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने सटीक तरीके से आतंकवाद-विरोधी अभियान चलाने की देश की क्षमता को प्रदर्शित किया और यह कड़ा संदेश दिया कि आतंकवादी और उनके मददगार चाहे कहीं भी छिपे हों, उन्हें अंजाम भुगतना ही होगा।

तोक्यो के पास भारी बारिश, पांच लोग मरे

तोक्यो/एपी। जापान में तोक्यो के पूर्वी इलाकों में रातभर भारी बारिश होने के कारण आई बाढ़ में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति लापता है। बाढ़ के कारण सड़कों और कई घरों में पानी भर गया, बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और हजारों लोग प्रभावित इलाकों में फंस गए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने शुक्रवार सुबह बारिश की तीव्रता कम होने के बाद चिबा प्रांत के 12 से अधिक नगर निकायों के लिए जारी भारी बारिश की सबसे गंभीर चेतावनी का स्तर घटा दिया।

पुलिस भाजपा को तिरंगा लेकर रैली निकालने की अनुमति दे : मद्रास उच्च न्यायालय का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कोयंबटूर पुलिस को निर्देश दिया कि वह भारतीय जनता पार्टी को 18 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज के साथ रैली निकालने की अनुमति दे, ताकि 80वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाया जा सके। न्यायमूर्ति वी. लक्ष्मीनारायणन ने यह निर्देश तब दिया जब वे भाजपा के कोयंबटूर जिला अध्यक्ष जे. रमेश की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। रमेश ने 13 अगस्त को रैली करने की अनुमति मांगने वाली अपनी अर्जी को पुलिस द्वारा खारिज किए जाने के आदेश को चुनौती दी थी। जब याचिका सुनवाई के लिए आई, तो वकील ए. कुमारगुरु ने बताया कि भाजपा पूरे राज्य में राष्ट्रीय ध्वज लेकर स्वतंत्रता दिवस मनाना चाहती थी। इसलिए, याचिकाकर्ता ने अनुमति के लिए आवेदन किया था। लेकिन कोयंबटूर पुलिस ने अनुमति देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इसी वजह से याचिकाकर्ता ने यह याचिका दायर की है।

अतिरिक्त लोक अभियोजक अरुण अंबुमणि ने कहा कि पुलिस रैली निकालने के खिलाफ नहीं थी, लेकिन जिस रास्ते पर वे रैली निकालना चाहते थे, वह भीड़-भाड़ वाली जगह है। इससे आम जनता को परेशानी होती और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा होने की आशंका थी। उन्होंने कहा कि अगर वे मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत सरकारी आदेश में बताए गए रास्तों पर रैली निकालना चाहते हैं, तो पुलिस उन्हें इजाजत दे देगी। अपने आदेश में अदालत ने कहा कि एसओपी का मकसद नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है, लेकिन यह व्यवस्थित तरीके से होनी चाहिए।

चमोली सुरंग हादसा : सात की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपेश्वर/भाषा। उत्तराखंड के चमोली जिले में टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (टीएचडीसी) की विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में पानी एवं मलबा घुसने से सात लोगों की मौत हो गई है तथा तीन लापता लोगों की तलाश जारी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एन. के. जोशी ने बताया कि हादसे के समय सुरंग में कुल 22 कर्मचारी मौजूद थे। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की शुक्रवार सुबह नौ बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार, बृहस्पतिवार रात भर चले राहत एवं बचाव अभियान के दौरान सुरंग से 19 लोगों को बाहर निकाला गया जिनमें से सात लोगों की मौत हो गई और तीन लापता लोगों की तलाश जारी है।

एनसीबी ने वीरेंद्र सिंह बसोया की यूएई से वापसी सुनिश्चित की : अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के सरगना और भगोड़े आरोपी वीरेंद्र सिंह बसोया की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से वापसी सुनिश्चित की है। गृह मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार विदेशों में छिपे मादक पदार्थ तस्करों का लगातार पता लगा रही है और कठोर रवैया अपनाते हुए उनके पूरे नेटवर्क को खत्म कर रही है।'' उन्होंने कहा कि एनसीबी ने यूएई से बसोया की वापसी सुनिश्चित करके नशीले पदार्थों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति में ''एक नया मील का पत्थर'' स्थापित किया है। उन्होंने कहा, ''अपराधी का पता लगाने के लिए चहुंमुखी रणनीति अपनाते हुए हमारी एजेंसियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि मादक पदार्थ तस्कर चाहे कहीं भी छिप जाएं, वे भारतीय कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकते।''

बंटवारे का दंश इतिहास कभी नहीं भूल पायेगा : शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि 14 अगस्त, 1947 का दिन इतिहास के सबसे क्रूर अध्यायों में से एक का साक्षी है और देश के बंटवारे का यह दंश कांग्रेस की देन है जिसे इतिहास कभी भूल नहीं पायेगा। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 14 अगस्त, 1947 का दिन इतिहास के उस क्रूरतम अध्याय का साक्षी है, जिसमें अमानवीय पीड़ा सहते हुए लाखों लोगों को अपना जीवन गंवाना पड़ा और करोड़ों लोगों को घर, संपत्ति और अपनों को छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। उन्होंने कहा, ''देश के बंटवारे का यह दंश, जो कांग्रेस की देन है, उसे इतिहास कभी भूल नहीं पायेगा।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फुल आजादी

गलियों में श्वानों को कुछ भी,
करने की है आजादी।
समझदार को सिर्फ टैक्स ही,
भरने की है आजादी।
प्रतिभाशाली युवा शक्ति को,
मरने की है आजादी।
नेताओं को जनता का हक,
हरने की है आजादी।।

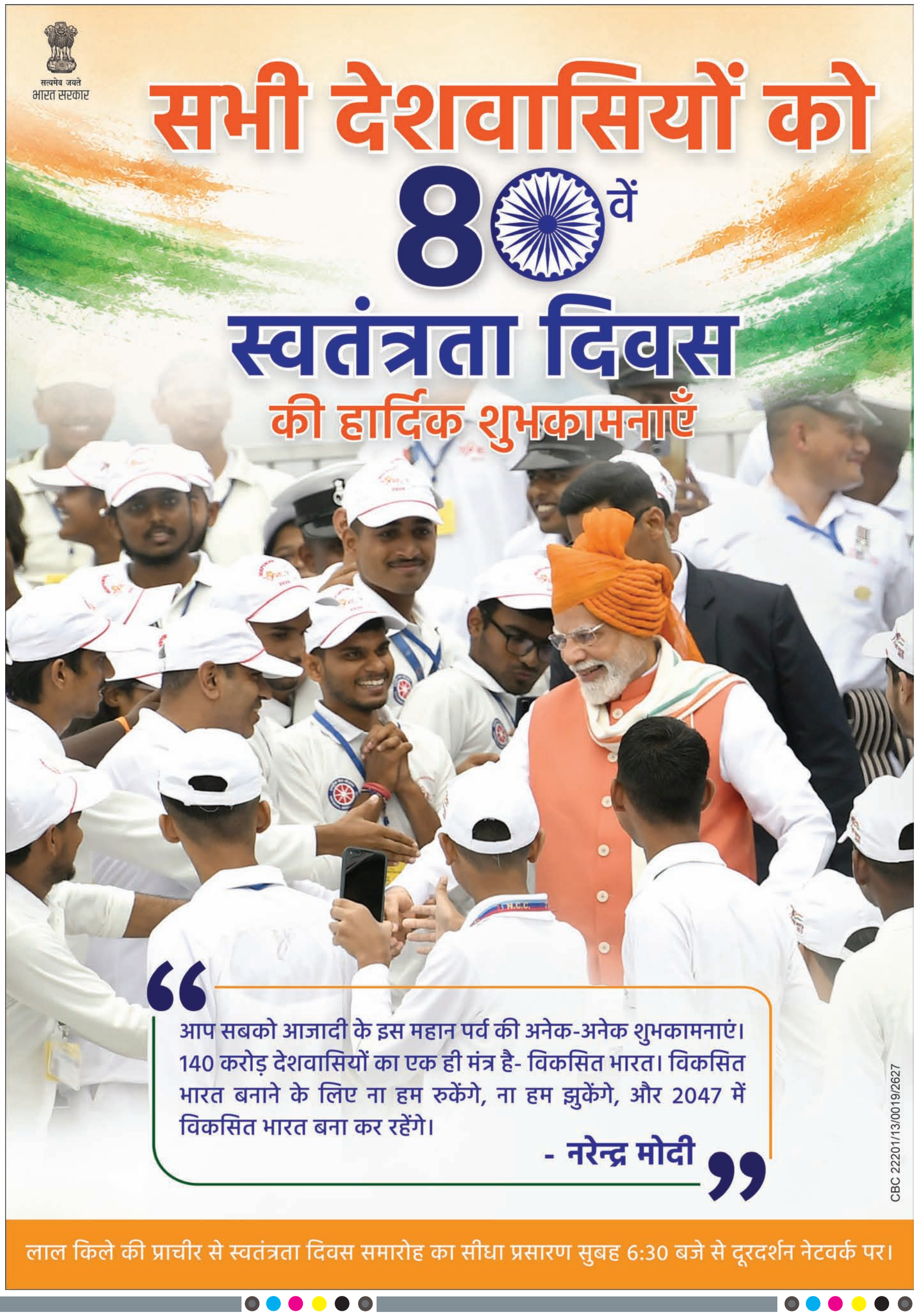

नेशनल सेंटर ऑफ एजिंग हॉस्पिटल में कंबल और स्ट्रेचर भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेवा और मानवता की भावना को साकार करते हुए गिंडी स्थित नेशनल सेंटर ऑफ एजिंग हॉस्पिटल, गिंडी में एक विशेष दान एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाईए) कॉस्मो फाउंडेशन द्वारा पिछले लगभग तीन दशकों से अस्पताल के एक वार्ड को गोद लेकर निरंतर सेवा कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम के अंतर्गत अस्पताल को 50 ऊनी कंबल एवं स्ट्रेचर भेंट किए गए। इन सेवा-सामग्रियों को नेशनल सेंटर ऑफ एजिंग हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. दीपा को विधिवत सौंपा गया। इस अवसर पर फाउंडेशन की ओर से कॉस्मो के अध्यक्ष राजेश रांका, सौरभ बाफना, राकेश ललवानी, राजेश जी. बाफना, संदीप बांठिया, अनिल कोठारी, अभय लोढ़ा, प्रवीण बोहरा, प्रवीण मेहता एवं अमित सुराणा उपस्थित थे। फाउंडेशन द्वारा तीन दशकों से

वीतरागता की ओर बढ़ने के लिए राग-द्वेष का त्याग जरूरी : पन्यास ज्ञानबोधिविजय

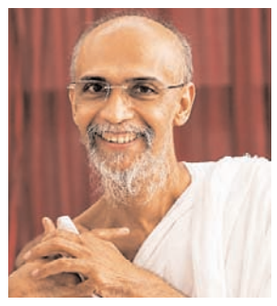

चेन्नई। यहां वेपेरी श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित आचार्य श्री कुलबोधिसूरीश्वरजी के शिष्य पंन्यासश्री ज्ञानबोधि विजयजी ने शुक्रवार को दुर्लभ मनुष्य भव की महत्ता, वीतरागता तथा राग-द्वेष से मुक्ति का मर्म समझाया।

उन्होंने कहा कि अनंत पुद्गल परावर्त काल से हमारी आत्मा संसार में भटक रही है। कब मोक्ष में जाएंगे, इसका पता नहीं। इतने दीर्घ संसार-भ्रमण के बाद कठिनाई से मिला मनुष्य भव आज हमें प्राप्त है, लेकिन हम इसकी वास्तविक कीमत नहीं समझ रहे हैं। 'ललित विस्तरा' ग्रंथ के अंतर्गत जय वीयराय प्रार्थना सूत्र का विवेचन करते हुए उन्होंने कहा कि मंदिर में विराजमान प्रभु वीतराग हैं। वीतराग अर्थात जिसके भीतर राग-द्वेष नहीं है। राजा भोज के दरबार में धनपाल कवि के जीवन का दृष्टांत देते हुए उन्होंने कहा कि वास्तविक अर्थों में वीतराग प्रभु ही पूजनीय हैं। भगवान के केवल रूप के नहीं, बल्कि उनके स्वरूप के दर्शन करने चाहिए। प्रभु की सच्ची पहचान उनकी वीतरागता है।

उन्होंने मनुष्य भव को सार्थक करने के लिए तीन भूमिकाएं बताईं, वीतरागी बनो, वैरागी बनो और अनुरागी बनो। उन्होंने कहा कि जिसने सभी कषायों को समाप्त कर दिया, वह वीतरागी है और जिसने केवलज्ञान प्राप्त किया, वह सर्वज्ञ है। सर्वज्ञ पूरे विश्व को जान सकता है, लेकिन अपने आप पर विजय प्राप्त करना वीतरागता है। हमें ज्ञान प्राप्ति के साथ कषायों को समाप्त करने में भी रस लेना चाहिए।

भीतर परिवर्तन लाना ही वास्तविक धर्म की शुरुआत : मुनिश्री तीर्थचैतन्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के किलपॉक स्थित एस.सी. शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री तीर्थचैतन्य विजयजी ने शुक्रवार को सारगर्भित प्रवचन में आत्म-जागृति को धर्म-साधना का मूल बताते हुए कहा कि अनंतकाल से हमारी चेतना सोई हुई है। परमात्मा सुधर्मा स्वामी और जंबूस्वामी के माध्यम से हमें निरंतर जागृत करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि साधना का प्रथम सूत्र है, अपनी आत्मा पर सतत वॉच रखना और चेतना को आत्मा पर केंद्रित करना। उन्होंने कहा कि जिस क्षण व्यक्ति को अपनी आत्मा पर नजर रखना आ जाता है, उसी क्षण से साधना-जीवन का रहस्य खुलने लगता है। अपने भीतर क्या चल रहा है, इसका निरंतर निरीक्षण आवश्यक है।

मुनिश्री ने कहा कि भगवान मनुष्य को ही विशेष रूप से संबोधित करते हैं, क्योंकि मनुष्य के भीतर बदलाव लाने की क्षमता है। जड़ में परिवर्तन संभव नहीं, लेकिन चैतन्य का स्वभाव ही विकसित होना है। उन्होंने बीज का उदाहरण देते हुए कहा कि छोटा-सा बीज मिट्टी में दबने के बाद भी अंकुरित होकर वृक्ष बनता है और आकाश की ओर बढ़ता है। इसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य के भीतर आत्म-विकास की शक्ति विद्यमान है। भीतर से बदलाव लाना ही वास्तविक धर्म की शुरुआत है। उन्होंने समझाया कि भगवान देव, तिर्यंच और अन्य गतियों के जीवों के बजाय मनुष्य को विशेष रूप से उपदेश देते हैं, क्योंकि मनुष्य में आत्म-विकास और परिवर्तन की क्षमता है।

लोक प्रशंसा की चिंता छोड़ आत्मा की आवाज सुनें : साध्वी प्रियरंजनाश्री

चेन्नई। शहर के रिथर्डन रोड़ स्थित कुशल बाग में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियरंजनाश्रीजी ने प्रवचन में कहा कि जीवन में सद्ज्ञान के साथ सद्गुणों को आत्मसात करना आवश्यक है। व्यक्ति को दूसरों के छोटे-छोटे गुणों को भी पहचानना चाहिए। यदि कोई हमारी निंदा करे तो उसके प्रति भी समता का भाव रखना चाहिए। निंदा सुनकर तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय उसे सहन करने और शांत रहने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। उन्होंने ममता और समता का अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि ममता राग की परिणति है, जबकि समता मध्यस्थ भाव की परिणति है। ममता मोह और अहंकार को बढ़ाती है, वहीं समता हर परिस्थिति में संतुलित रहने की प्रेरणा देती है। सामने वाला निंदा करे अथवा प्रशंसा के फूल बरसाए, दोनों स्थितियों में मन की शांति बनाए रखना ही सच्ची साधना है।

लोकसंज्ञा का उल्लेख करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि व्यक्ति अक्सर इस चिंता में रहता है कि लोग उसके बारे में क्या कहेंगे और उसकी लोकप्रियता कैसी है। लेकिन उसे यह देखना चाहिए कि उसकी आत्मा क्या कहती है और परमात्मा ने कैसा जीवन जीने का मार्ग बताया है। प्रसन्नचंद्र राजर्षि के दृष्टांत के माध्यम से उन्होंने बताया कि लोक के शब्द मनुष्य को पतन की ओर ले जा सकते हैं, वहीं आत्म-जागृति उसे केवलज्ञान की ऊंचाई तक पहुंचा सकती है।

तप, त्याग और आत्मशुद्धि ही सच्चा पुरुषार्थ : मुनिश्री जयतिलक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

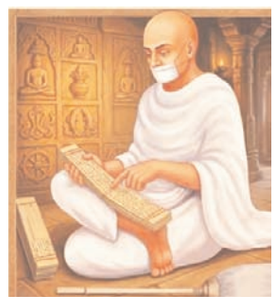

चेन्नई। यहां शहर के एसएस जैन संघ, साहुकारपेट के तत्वावधान में जैन भवन के प्रांगण में विराजित जयमल सम्प्रदाय के आचार्य पार्श्वचन्दजी के आज्ञानुवर्ती श्री जयतिलक मुनिजी ने प्रवचन में कहा कि मनुष्य को औदारिक शरीर प्राप्त हुआ है, जिसके माध्यम से वह अपने सामर्थ्य के अनुसार कर्मों की निर्जरा कर सकता है।

संतश्री ने कहा कि शरीर क्षण-क्षण क्षीण होता रहता है, इसलिए शरीर के क्षीण होने से पूर्व तप, त्याग और संयम द्वारा आत्मा को शुद्ध करने का प्रयास करना चाहिए। जब तक शरीर साथ देता है, तब तक उसका सदुपयोग कर कर्मों की निर्जरा करना ही सच्चा पुरुषार्थ है। आत्मा पर निरंतर कर्मों का आवरण चढ़ता रहता है, जिसकी सफाई जप, तप और त्याग से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति में आत्मबल होता है, वही कर्मों की निर्जरा करने में समर्थ बनता है। शरीर की कितनी भी देखभाल कर ली जाए, एक दिन वह साथ छोड़ देता है, किन्तु आत्मा की शुद्धि ही जीव का वास्तविक कल्याण करती है। जो आत्मा बलशाली और शुद्ध होती है, वह ऊर्ध्वगति को प्राप्त करती है, जबकि कर्मों से बोझिल और दुर्बल आत्मा अधोगति की ओर जाती है। कर्मरूपी शत्रु को कमजोर करने वाला साधक ही आत्मविजय प्राप्त करता है। स्वस्थ अवस्था में किया गया त्याग और तप ही कर्मनिर्जरा का कारण बनता है। निरंतर तप और त्याग करने से उदय में आने वाले कर्मों का प्रभाव भी मंद पड़ जाता है तथा आत्मा अधिक निर्मल और शक्तिशाली बनती है।

शांति विरोधी ताकतें मुझ पर और अकाली दल पर निशाना साध रहीं हैं : बादल ने हमले के बाद कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नांदेड़/भाषा। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के अध्यक्ष एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने यहां एक कृपाण हमले में घायल होने के एक दिन बाद शुक्रवार को आरोप लगाया कि कुछ ताकतें पंजाब और देश में शांति नहीं रहने देना चाहतीं और उन्हें अपने मिशन में रुकावट मानती हैं।

अपने पिता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री (दिवंगत) प्रकाश सिंह बादल का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनके परिवार ने ऐसी ताकतों के साथ कभी समझौता नहीं किया और वह ऐसी शक्तियों को राज्य पर नियंत्रण नहीं करने देंगे तथा वह राज्य में भाईचारा बनाकर रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बृहस्पतिवार को नांदेड़ शहर के बाहरी इलाके में स्थित गुरुद्वारा माता साहिब देवन जी मुगत के अंदर निहंग पंथ के एक सदस्य ने बादल पर कृपाण से हमला कर दिया। हमले के बाद, एक स्थानीय अस्पताल में उनकी सर्जरी हुई और शुक्रवार को उन्हें छुट्टी दे दी गई।

अस्पताल से छुट्टी के बाद संवाददाताओं से बातचीत में बादल ने कहा, कई ताकतें नहीं चाहतीं कि पंजाब और इस देश में शांति रहे। उन्हें लगता है कि शिरोमणि अकाली दल उनके मकसद में रुकावट है। उन्होंने कहा, मेरे पिता प्रकाश सिंह बादल ने इन ताकतों के सामने कभी घुटने नहीं टेके। वह हमेशा इस बात के पक्षधर रहे कि सभी समुदायों और धर्मों के लोगों को मिल-जुलकर और खुशी से रहना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मेरे पिता मुख्यमंत्री थे। उन्होंने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखा और सभी धर्मों का सम्मान किया। एक साल पहले इन ताकतों ने मुझपर हमला करने की कोशिश की थी। उनका मकसद पंजाब के हालात पर कब्ज़ा करना और शांति भंग करना है, जिसे शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष के तौर पर मैं कभी नहीं होने दूंगा। मेरे पिता ने भी ऐसा नहीं होने दिया था।'' उन्होंने बताया कि सिखों के दो सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों पर उन्हें निशाना बनाने की कोशिशें की गईं, लेकिन इन हमलों के बावजूद, वह अशांति फैलाने की किसी भी कोशिश के खिलाफ मजबूती से डटे रहेंगे। उन्होंने बताया कि सिखों के दो सबसे पवित्र स्थलों – स्वर्ण मंदिर और एक गुरुद्वारे– में उन्हें निशाना बनाने की कोशिशें की गई थीं।

देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर जल जीवन मिशन के सात साल पूरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत शनिवार को अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है, तब 'जल जीवन मिशन' (जेजेएम) के लागू होने के सात साल पूरे होने वाले हैं। ग्रामीण इलाकों में नल से जल की सुविधा पाने वाले घरों की संख्या 15 अगस्त, 2019 को मिशन की शुरुआत के समय 3.23 करोड़ थी, जो अब बढ़कर 15.91 करोड़ से ज़्यादा हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2019 को स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन के दौरान जल जीवन मिशन की शुरुआत की थी। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार, ग्रामीण इलाकों में नल से जल की सुविधा अब 82 प्रतिशत से ज़्यादा घरों तक पहुँच गई है। साथ ही, 2.8 लाख से अधिक गाँवों और एक लाख से ज़्यादा ग्राम पंचायतों ने खुद को 'हर घर जल' प्रमाणित किया है। इसने कहा कि सात साल का यह पड़ाव ऐसे समय में आया है जब मिशन नए चरण में प्रवेश कर रहा है। इस चरण में न केवल कवरेज बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा, बल्कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि तैयार किया गया बुनियादी ढांचा पानी की भरोसेमंद और टिकाऊ सुविधाएँ प्रदान करे।

शबरिमला में सोना गायब होने के मामले की जांच करने वाले अधिकारी को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्र सरकार ने शबरिमला सोना गायब होने के मामलों की जांच कर रहे पुलिस अधीक्षक (एसपी) एस. शशिधरन को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किए जाने की शुक्रवार को घोषणा की। स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत केरल पुलिस, अग्निशमन और बचाव सेवा, तथा कारागार एवं सुधार सेवाओं के 11 अधिकारियों को राष्ट्रपति के विभिन्न पुलिस और अग्निशमन सेवा पदकों के लिए चुना गया है। शशिधरन इस साल केरल के एकमात्र अधिकारी हैं जिन्हें विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक' के लिए चुना गया है। केरल उच्च न्यायालय ने उन्हें पिछले साल शबरिमला मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के द्वारपालक (रक्षक देवता) की मूर्तियों और दरवाजों की चौखटों से कथित तौर पर सोना गायब होने के मामलों की जांच के लिए नियुक्त किया था। कोच्चि नगर पुलिस में उपायुक्त के पद पर रहते हुए वह 2022 के इलंथूर मानव बलि मामले की जांच का भी हिस्सा रहे थे।

पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) राजपाल मीणा, एसपी बिनु रामकृष्ण पिल्लई, पुलिस उपायुक्त (डीएसपी) रविकुमार वी.आर., एसपी उज्ज्वल कुमार एस., उपनिरीक्षक ज्योतिष कुमार एस.एल और पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) सुरेश बाबू एस.एस. को सराहनीय सेवा पदक के लिए चुना गया है। अग्निशमन एवं बचाव सेवा के सहायक स्टेशन अधिकारी राजेंद्रन नायर और सेबेस्टियन जोसेफ एन. को भी सराहनीय सेवा पदक के लिए चुना गया है। कारागार एवं सुधार सेवा के सहायक अधीक्षक सुनील एस. कुमार और कारागार अधिकारी मोहनदास एम.के. को भी सराहनीय सेवा पदक के लिए चयनित किया गया है। शबरिमला सोना गायब होने के मामले की जांच अंतिम चरण में पहुंच गई है और जल्द दो मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए जाने की उम्मीद है।

भागवत कथा में 'श्रीकृष्ण जन्म' के प्रसंग पर झूम उठे श्रोतागण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के माहेश्वरी सत्संग समिति के तत्वावधान में आयोजित सुबोधनी श्रीमद भागवद कथा के चतुर्थ दिवस पर पंडित कमल किशोर व्यास द्वारा रूद्राभिषेक किया गया।

मंत्री किशोर कुमार जेठा ने मुख्य मनोरथी कांता नारायणदास राठी परिवार, प्रवीण माहेश्वरी परिवार ने आचार्य श्री गोवर्धनेशजी को व्यास पीठ पर आसीन करवा कर तथा माल्यार्पण किया। कथा वाचक दर्शनकुमारजी ने कहा कि हमारे जीवन में तीन जनों के प्रति सदैव कृतज्ञ भाव होना चाहिए प्रथम प्रभु के प्रति, द्वितीय माता-पिता के प्रति और तृतीय गुरु के प्रति। हमें सदैव इनके प्रति समर्पित भाव रखना चाहिए। मन में ऐसा संकल्प लें कि हमारी मन-बुद्धि सदैव प्रभु के चरणों में लगी रहे। उन्होंने कहा कि हमें अत्यंत दुर्लभ मानव जन्म प्राप्त हुआ है, जिसकी कामना देवता भी करते हैं। मनुष्य तपस्या करके देवत्व को प्राप्त कर सकता है, लेकिन मानव जन्म प्रभु की विशेष कृपा से ही मिलता है। जिस जीव पर प्रभु की कृपा हो जाती है, प्रभु उसके कर्मों का लेखा-जोखा नहीं देखते, बल्कि उसकी भक्ति और भाव को स्वीकार करते हैं। कथावाचक श्री दर्शन कुमारजी ने भक्त प्रह्लाद के चरित्र का वर्णन करते हुए हिरण्यकशिपु के उद्धार की कथा सुनाई। उन्होंने नवधा भक्ति के विभिन्न स्वरूपों का भी विस्तार से वर्णन किया।

अग्रसेन कॉलेज में छात्र विकास परिषद का हुआ शपथ ग्रहण

चेन्नई। यहां जयगोविंद हरिगोपाल अग्रवाल अग्रसेन कालेज माधावरम चेन्नई द्वारा आयोजित छात्र विकास परिषद 2026-27 का पद ग्रहण समारोह कालेज आडिटोरियम में सम्पन्न हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि तमिलनाडु सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ जे. राधाकृष्णन ने कहा कि आज का युवा छात्र हर क्षेत्र में नेतृत्व करने के लिए मचल रहा है, जरूरत है उनको अवसर देने की। नेतृत्व हेतु युवाओं का आगे आना आज की जरूरत है। भारत का छात्र एक सक्षम युवा है। यह समुदाय देश की तकदीर एवं तस्वीर दोनों बदल सकता है। मुख्य अतिथि ने कालेज के प्रबंधन समिति की भी सराहना की कि यह अग्रवाल समुदाय सिर्फ व्यापार करने के लिए चेन्नई में नहीं है , बल्कि इनकी सामाजिक व शिक्षा जगत मे की गई सेवा सहयोग सराहना के योग्य है। सचिव हरीश कुमार सांघी ने कहा कि छात्रों को हमारा कालेज हर संभव प्रोत्साहन करता है। मैनेजिंग ट्रस्टी मुरारी लाल सोंथालिया ने चुने गए सभी पधाधिकारियों को बधाई दी। प्राचार्य डॉ वी गोपी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा की हर छात्र एक कामयाब युवा है। दूसरों से नहीं अपनी तुलना खुद से करें। छात्रों के अधिकारों को हर संभव पूरा करने का आश्वासन दिया। उपप्राचार्य डॉ टीएस उमामाहेश्वरी ने परिषद की चयन प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।

परिषद के सभी पदाधिकारियों को पद उपाधि चिह्न देकर सम्मानित किया गया और उन्हे पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मैडम जेरी ने संचालन किया और डॉ पुष्पलता ने धन्यवाद दिया।

अंतर विद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अग्रसेन कॉलेज आफ आर्ट एंड साइंस माधवरम में अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज का 8 दिवसीय अंतर विद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्रीड़ा समिति के अध्यक्ष गौरव जैन ने सभी प्रतिभागियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप जीते या हारे, लेकिन किसी भी कीमत पर, खेलने का मौका न छोड़ें, क्योंकि यह वास्तविक व्यक्ति की क्षमता को सामने लाता है।

अग्रसेन कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. गोपी ने कहा कि संस्था हमेशा खिलाड़ियों का खुले दिल से स्वागत करती है। उन्होंने खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और कौशल को विकसित करने के लिए कॉलेज की सुविधाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया कि वे अपनी उच्च शिक्षा और खेल करियर के लिए अग्रसेन कॉलेज को अवश्य ध्यान में रखें। इस टूर्नामेंट में चेन्नई की 16 टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें केआरएम पब्लिक स्कूल पेराम्बूर दूसरे स्थान पर तथा एबेनेजर मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब रिशिथ अधवन, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज पैट्रिक रोसारियो, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक तनिष्क भंडारी, सर्वश्रेष्ठ विकेट कीपर एसएन दर्शन, टूर्नामेंट के सबसे मूल्यवान खिलाड़ यशराज सुरेश, होनहार युवा किशन श्रीएम ने हासिल किया। सभी अतिथियों ने विजेताओं को समूह एवं व्यक्तिगत ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया। शारीरिक प्रशिक्षण शिक्षिका जयाप्रिया ने संचालन किया ।

विपक्ष लोकतंत्र का 'मजाक' उड़ा रहा है, उसने संसद नहीं चलने दी : शिवराज चौहान

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने संसद नहीं चलने दी और वह लोकतंत्र का मजाक बना रहा है। चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों चंडीगढ़ और दादरा और नगर हवेली में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 'सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी' (सीबीडीसी) पर आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) को शुरू करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी, पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया समेत कई लोग मौजूद थे।

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है कि पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि संसद किसानों और गरीबों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और बहस के लिए है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए चौहान ने कहा, लेकिन वे इसे चलने नहीं देंगे। जब हमने उनकी एक मांग मान ली, तो उन्होंने दूसरी मांग रख दी और फिर एक और मांग ले आए। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि ये लोग लोकतंत्र का मजाक उड़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, संविधान को कलंकित करने का पाप कर रहे हैं। संसद के मानसून सत्र में विपक्ष ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई और राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मुद्दों पर किया गया। चौहान ने विपक्ष के नेता गांधी की भी आलोचना की, जिन्होंने दिल्ली में 'रचनात्मक कांग्रेस राष्ट्रीय सम्मेलन' को संबोधित करते हुए विदेश नीति को संभालने के प्रधानमंत्री मोदी के तरीके का मजाक उड़ाया था; उनका दावा था कि यह नीति सिर्फ नेताओं को गले लगाने तक ही सीमित है।

तिरंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

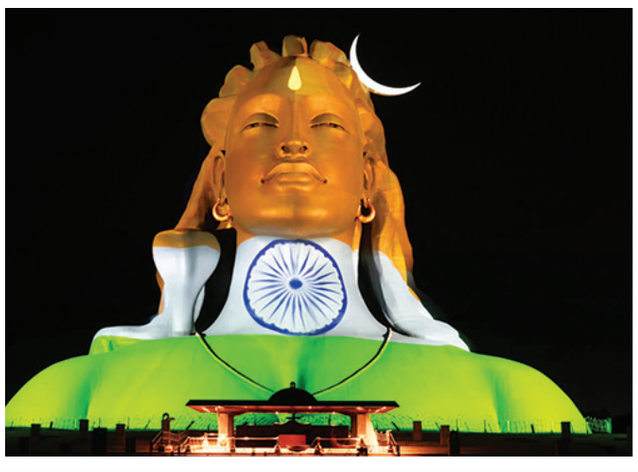

शुक्रवार को कोयम्बटूर स्थित ईशा फाउन्डेशन में विशाल आदियोगी की प्रतिमा पर लाइट शो के दौरान स्वतंत्रता दिवस के मौके पर तिरंगा दिखाया गया। स्वतंत्रता की पूर्व संध्या में तिरंगे रंग में रंगे दिखे आदियोगी।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुक्रवार को चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय से सचिवालय में भारतीय रिजर्व बैंक की तमिलनाडु और पुडुचेरी क्षेत्रीय निदेशक श्रीमती उमा शंकर, बैंक के महाप्रबंधक आई. मुथुचेल्वम, उप महाप्रबंधक ए. सुधाकर, वी. सुरेश कुमार और सहायक महाप्रबंधक के. राजकुमार ने मुलाकात की।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के गिंडी स्थित अरसीना व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र में शुक्रवार को श्रम कल्याण एवं कौशल विकास मंत्री जे. मोहम्मद बल्वेस ने शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए सरकारी व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र की कक्षाओं का उद्घाटन किया, छात्रों को निःशुल्क प्रशिक्षण सामग्री प्रदान की और पिछले वर्ष सरकारी व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों से प्रशिक्षण पूरा करके अग्रणी कंपनियों में नौकरी पाने वाले छात्रों को नौकरी के आदेश दिए। इस अवसर पर श्रम कल्याण एवं कौशल विकास विभाग के सरकारी सचिव को राघव राव, आई.ए.बी., रोजगार एवं प्रशिक्षण निदेशक डॉ. सी. पलानी, आई.ए.बी., कारीगर प्रशिक्षण के अतिरिक्त निदेशक डी. राजशेखर और रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भगदड़ पीड़ितों के परिजनों को नौकरी का मामला : उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक का टीवीके ने किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी 'तमिलगा वेत्री कषगम' (टीवीके) ने पिछले साल करूर भगदड़ में मारे गये लोगों के परिवार के सदस्यों को नौकरी देने संबंधी मामले में मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश पर शीर्ष अदालत द्वारा रोक लगाये जाने का शुक्रवार को स्वागत किया। उच्च न्यायालय ने भगदड़ में मारे गये लोगों के परिवार के सदस्यों को नौकरी देने के टीवीके-नीत सरकार के आदेश को निरस्त कर दिया था। शीर्ष अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए टीवीके प्रवक्ता अमेरिकाई वी. नारायणन ने पूर्ववर्ती द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर आरोप लगाया कि जब टीवीके संस्थापक प्रमुख सी. जोसेफ विजय पिछले साल एक रैली को संबोधित करने करूर गए थे, उस वक्त हालात संभालने में ''घोर लापरवाही'' बरती गई थी।

प्रवक्ता ने कहा कि तत्कालीन सरकार अच्छी तरह जानती थी कि विजय को सुनने के लिए भारी भीड़ जुटती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भीड़ को ठीक से संभालने और सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम नहीं किए गए थे।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हम प्रार्थना करते हैं कि विपक्ष यह समझे कि गरीबों और आम लोगों को सरकार की ओर से मिलने वाली मदद में उसे रुकावट नहीं डालनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि जब मकसद प्रभावित परिवारों को नौकरी के ज़रिये मदद और सहारा देना हो, तो कानूनी अड़चनें नहीं खड़ी की जानी चाहिए।

तमिलनाडु सरकार के लिए राहत की बात यह है कि शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी। उच्च न्यायालय ने करूर भगदड़ में मारे गए लोगों के निकटस्थ परिजनों को सरकारी नौकरी देने के विजय सरकार के आदेश पर रोक लगा दी थी।

शिवकाशी पटाखा फैक्टरी विस्फोट

मुख्यमंत्री विजय ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने विरुधुनगर जिले में पटाखे बनाने वाली एक यूनिट में हुए धमाके में मारे गए दो लोगों के परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से चार-चार लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने इस त्रासदी पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना जताई और तत्काल राहत राशि वितरित करने के निर्देश दिए। यह विस्फोट बृहस्पतिवार को शिवकाशी तालुक में स्थित एक निजी पटाखा इकाई में हुआ। यहां काम करने वाले बालमुरुगन (41) विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें शिवकाशी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उन्होंने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दूसरे मृतक, तिरुनेलवेली पेट्टई निवासी 66 वर्षीय अहमद इब्राहिम भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। बेहतर इलाज के लिए उन्हें विरुधुनगर सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई।

राज्य सरकार और जीडब्ल्यूसी डाटा.एआइ के बीच हुआ समझौता

MOU - GWC.png

चेन्नई। डेटा और एआइ समाधान प्रदाता कंपनी जीडब्ल्यूसी डाटा.एआइ ने तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया हैं। इसके तहत अगले एक वर्ष में राज्य में एक हजार से अधिक एआइ और डेटा पेशेवरों की भर्तियां की जाएगी। यह समझौता मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की उपस्थिति में तमिलनाडु इनवेस्टमेंट कॉनक्लेव के अंतर्गत, आईटीसी ग्रैंड चोला में किया गया।

अखिल भारतीय हिंदी तकनीकी संगोष्ठी संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चेन्नई स्थित सीएसआईआर-स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर (सीएसआईआर-एसईआरसी) 13-14 अगस्त 2026 को सीएसआईआर-एसईआरसी में अखिल भारतीय हिंदी तकनीकी संगोष्ठी 2026 का आयोजन कर रहा है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य वैज्ञानिक क्षेत्रों में हिंदी को बढ़ावा देना और अनुसंधान संबंधी प्रगति को साझा करना है। संगोष्ठी का विषय है विकसित भारत 2047: उन्नत इंजीनियरिंग, नवाचार और सतत प्रौद्योगिकी। देश भर से वैज्ञानिक, शोधकर्ता और शिक्षाविद बड़ी संख्या में इसमें भाग ले रहे हैं।

संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र 13 अगस्त को सुबह 10 बजे आयोजित किया गया। सीएसआईआर-एसईआरसी की निदेशक डॉ. एन. आनंदवल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की। सीएसआईआर-राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला, बेंगलुरु के निदेशक डॉ. अभय ए. पशिलकर मुख्य अतिथि थे। सीएसआईआर-एसईआरसी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. अमर प्रकाश ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और संगोष्ठी के विषय पर संक्षिप्त जानकारी दी। डॉ. आनंदवल्ली ने अपने अध्यक्षीय भाषण में हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी चर्चाओं, भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करने और राष्ट्रीय संस्थानों के शोध को व्यापक दर्शकों तक सुलभ बनाने का उल्लेख किया। उन्होंने सीएसआईआर-एसईआरसी की स्थापना और इसकी विरासत, पिछले 60 वर्षों में संस्थान के उल्लेखनीय योगदान और सीएसआईआर-एसईआरसी के अनुसंधान फोकस के बारे में भी संक्षिप्त जानकारी दी। सीएसआईआर-एसईआरसी की हिंदी अधिकारी डॉ. आशा जी नायर ने मुख्य अतिथि का दर्शकों से परिचय कराया।

मुख्य अतिथि डॉ. पशिलकर ने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा कि भाषा केवल साहित्य तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हमारे देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) संगठनों के लिए एक आवश्यक उपकरण है, जो जमीनी स्तर के समुदायों को नवाचारों को समझने में मदद करता है और स्थानीय आबादी को तकनीकी जानकारी प्रदान करता है। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी संगठनों द्वारा सामाजिक पहुंच के महत्व पर भी जोर दिया। सीएसआईआर-एसईआरसी के वैज्ञानिक एफ. डॉ. प्रभात रंजन प्रेम ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

फसल ऋण पूरी तरह माफ करने की मांग को लेकर अन्नाद्रमुक का राज्यव्यापी प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को तमिलनाडु में विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन किया और फसल ऋण पूरी तरह माफ करने की मांग की।

पार्टी ने सत्तारूढ़ टीवीके सरकार के खिलाफ भी प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि वह कावेरी नदी के पानी में राज्य का हिस्सा प्राप्त करने में विफल रही है।

अन्नाद्रमुक ने दावा किया कि कावेरी नदी का पानी नहीं मिलने के कारण सूखे जैसी स्थिति पैदा हुई और धान की खेती प्रभावित हुई।

विक्रम सोलर ने तमिलनाडु में छह गीगावाट क्षमता का सौर संयंत्र किया शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। विक्रम सोलर ने तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में छह गीगावाट क्षमता का सौर मॉड्यूल विनिर्माण संयंत्र शुरू करने की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी ने बयान में कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने चेन्नई में आयोजित राज्य-स्तरीय कार्यक्रम के तहत डिजिटल माध्यम से इस संयंत्र का उद्घाटन किया। विक्रम सोलर ने कहा कि छह गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) क्षमता वाले इस सौर मॉड्यूल विनिर्माण संयंत्र से क्षेत्र में 800 से अधिक कुशल पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। बयान के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 तक नौ गीगावाट क्षमता की सौर सेल विनिर्माण क्षमता स्थापित करने की भी योजना है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं.: एसएण्डटी-जेयू-20-2026-27 दिनांक: 13/08/26। भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक/सं.व.दू.उ.प.रे., जोधपुर द्वारा निम्न लिखित सिगनलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **1. कार्य का नाम:** उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के 30 ब्लॉक सेक्शन में SSBPAC के विभिन्न कंपोनेंट्स/पुर्जो की विश्वसनीयता में सुधार और उनके बनाए रखने की व्यवस्था/व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध का कार्य। **2. कार्य की अनुमानित लागत:** रुपये 2,03,32,402/-। **3. ई निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पता:** वरि. मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजी. मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय हरीश जोशी मार्ग जोधपुर। **4. बयाना राशि (Bid Security):** रुपये 406700/-। **5. ई निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समय:** 07.09.2026 को 15.00 बजे तक। तथा ई टेंडर ऑन लाईन आई आर ई पी एस 15.00 बजे बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जायेगी। **6. वेब साईट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहाँ से टेण्डर का विवरण देखा जा सकें। एवं खरीद की जा सकें:** www.ireps.gov.in नोट:- यह एक ई टेण्डर है इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई टेण्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वेब साईट पर टेण्डर डाले। 1189-MG/26

हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फालो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

पत्र सं-WB-74-W-O/Works/NIT/X
दिनांक 11/08/2026
ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है- **ई-निविदा सूचना सं: 130 OF 2026-27 कार्य का नाम व स्थान:** Provision of S& T service building for interlocking of 4 Nos of manned LC gates (LC-143, 147A, 147, 137 in MTD-JU section in the Jurisdiction of ADEN/Line over jodhpur division **अनुमानित लागत रूपये: 74,56,293.39 बयाने की राशि रूपये: 1,49,100.00 । ई-निविदा सूचना सं: 131 OF 2026-27 कार्य का नाम व स्थान:** Essential infrastructure facilities required for C&W at Merta Road **अनुमानित लागत रूपये: 1,54,24748.95 बयाने की राशि रूपये: 3,08,500.00 ।** निविदा सूचना संख्या 130 OF 2026-27 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 01-09-2026, तथा निविदा सूचना संख्या 131 OF 2026-27 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 04-09-2026 को 15:00 बजे तक है। वेबसाईट का विवरण जहाँ पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है www.ireps.gov.in 1185-MG/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

अशोक लेलैंड का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 1.5 प्रतिशत बढ़कर 667.77 करोड़ रुपये

चेन्नई/नई दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी अशोक लेलैंड लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 1.5 प्रतिशत बढ़कर 667.77 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 657.72 करोड़ रुपये था। अशोक लेलैंड ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में एकीकृत परिचालन आय बढ़कर 13,069.59 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 11,708.54 करोड़ रुपये थी।

कंपनी के निदेशक मंडल ने अपनी ब्रिटेन स्थित अनुषंगी ऑप्टारे पीएलसी में 2.5 करोड़ पाउंड (करीब 325 करोड़ रुपये) तक और हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के शेयर में द्वितीयक खरीद के जरिये 500 करोड़ रुपये तक के निवेश को मंजूरी दी है। समीक्षाधीन तिमाही में उसका कुल खर्च बढ़कर 12,314.66 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 10,920.53 करोड़ रुपये था। कंपनी के अनुसार, आलोच्य तिमाही के दौरान उसने अब तक का सबसे अधिक 48,763 वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री की जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा

44,238 इकाई था।

अशोक लेलैंड के चेयरमैन धीरज हिंदुजा ने कहा कि कंपनी ने अनुशासित क्रियान्वयन और प्रभावी लागत प्रबंधन के दम पर एक और मजबूत तिमाही दर्ज की है। उन्होंने कहा, प्रमुख क्षेत्रों में मांग मजबूत बनी हुई है और भविष्य की संभावनाएं भी उत्साहजनक हैं। हमारा मानना है कि परिवर्तन' जैसी सरकारी पहल से वाहनों के बेड़े के आधुनिकीकरण में और तेजी आएगी तथा वाणिज्यिक वाहन उद्योग की दीर्घकालिक वृद्धि को समर्थन मिलेगा। हिंदुजा ने कहा कि कंपनी की इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली अनुषंगी स्विच मोबिलिटी को लगातार अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

उन्होंने कहा, ''हम अपने वृद्धि के स्रोतों में विविधता लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों और रक्षा कारोबार में अपनी मौजूदगी मजबूत कर रहे हैं।'' अशोक लेलैंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शेनु अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद पहली तिमाही में भारतीय वाणिज्यिक वाहन उद्योग में मजबूती बनी रही। उन्होंने कहा कि यह उद्योग की मजबूत बुनियाद और भारतीय वाणिज्यिक वाहन उद्योग में निरंतर वृद्धि की क्षमता को दर्शाता है।

अग्रवाल ने कहा, हालांकि, बढ़ती सामग्री लागत चिंता का विषय बनी हुई है। कंपनी बेहतर मूल्य प्राप्ति, लागत में कड़ाई से कटौती, उत्पाद एवं कारोबारी मिश्रण में सुधार और अवसर के अनुरूप उत्पाद का भंडार तैयार करने सहित कई पहलों पर काम कर रही है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली निविदा

ई-टेण्डर नोटिस सं.: **एस एण्ड टी प्रोजेक्ट-जेपी-2026-27-01** दिनांक **12/08/2026**। उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/परियोजना/जयपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से खुली निविदा सं. एस एण्ड टी-प्रोजेक्ट-जेपी 2026-27-01 जिसकी बंद होने की तिथि 16-09-2026 समय 15:00 बजे तक का ऑन लाईन ई-टेण्डर आंमत्रित किया जाता है। कोई भी मैनयुअल टेण्डर संबंध में स्वीकार नहीं किया जावेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है उसको देखा नहीं जावेगा। **1. कार्य का नाम एवं लोकेशन:** उत्तर पश्चिम रेलवे के उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/परियोजना/बीकानेर के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न परियोजना स्थलों/अनुभागों पर परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएं प्रदान करने के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवा एजेंसी (पीएसएसए) की नियुक्ति हेतु। **2. अनुमानित लागत:** रूपये **57371668.63/-**। **3. धरोहर राशि रूपये:** रूपये **1147400.00/-**। **4. टेण्डर जमा करने की अंतिम तारीख:** 16/09/2026 15:00 बजे तक। **5. वेब साईट का विवरण और नोटिस बोर्ड की लोकेशन:** www.ireps.gov.in or उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/परियोजना/जयपुर ऑफिस। **1187-MG/26**

हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फालो करे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तिरंगा यात्रा में शामिल हुए

उदयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को सादुलशहर कस्बे में राष्ट्रध्वज थामकर आंबेडकर सर्किल से अरूट चौक तक तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। इससे पहले जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा यात्राओं में लोगों का जोश और जुनून इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्रध्वज हमारे दिलों में बसता है। उन्होंने कहा, यह हमारे गौरव और राष्ट्रीय चेतना की विरासत और पहचान है और हमें स्वतंत्रता तथा उससे जुड़े इतिहास की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत आयोजित हो रही तिरंगा यात्राओं से नयी पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना तथा राष्ट्र सेवा और राष्ट्र प्रथम के संकल्प को मजबूती मिल रही है।

उन्होंने कहा, तिरंगे के साथ राजस्थान का गहरा संबंध है। आजाद भारत में फहराया गया पहला तिरंगा राजस्थान में बना था। दौसा के आलूदा गांव के बुनकरों ने उस तिरंगे के लिए खादी का कपड़ा बुना और गोविंदगढ़ में इसे रंग कराकर तिरंगे का रूप दिया गया था।

लापता बुजुर्ग पति-पत्नी के शव घर में रखे बक्से के अंदर से बरामदः पुलिस

उदयपुर। उदयपुर जिले में दो दिन से लापता बुजुर्ग दंपत्ति के शव उनके घर में एक बक्से के अंदर से बरामद हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। थानाधिकारी शैतान सिंह नाथावत ने बताया कि मृतकों की पहचान सायरा थाने के पुनावली गांव के रहने वाले लहरीलाल पालीवाल (65) और उनकी पत्नी राधा देवी (62) के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों बुधवार सुबह से लापता थे। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को परिवार के सदस्यों को घर से बदबू आई, जिसके बाद उन्होंने तलाशी ली और एक बक्सा खोला जिससे बदबू आ रही थी।

बक्से के अंदर दोनों के शव रखे हुए थे। पुलिस को संदेह है कि दोनों हत्या मंगलवार देर रात की गई होगी और बाद में उनके शव बक्से में रख दिए गए होंगे। थानाधिकारी ने बताया कि बक्से को छिपाने के लिए उसके ऊपर बिस्तर रखा गया था।

युवक ने आत्महत्या की, पत्नी व ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में एक युवक ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने उनकी पत्नी व ससुराल वालों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र थाने के थानाधिकारी रविंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित युवक के भाई की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित जितिन कुमार सादुलशहर (गंगानगर) कस्बे का था और पिछले करीब आठ महीने से यहां मल्होत्रा नगर में किराए के फ्लैट में रह रहा था। वह विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में एक कारखाने में सेल्स मैनेजर के तौर पर काम करता था।

पुलिस के अनुसार जितिन ने एक अगस्त को अपने फ्लैट में कथित तौर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को जितिन का शव फंदे से लटका हुआ मिला। सिंह ने बताया कि परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में कमरे की तलाशी के दौरान पुलिस को चार पन्नों का कथित 'सुसाइड नोट' मिला। इसमें जितिन ने कथित तौर पर अपनी मौत के लिए पत्नी शेफाली, उसके माता-पिता और भाई यानी अपने साले को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने बताया कि उसने यह भी आरोप लगाया कि पत्नी उसे अपनी बेटी से बात करने या मिलने नहीं देती थी और कथित तौर पर बच्चे का इस्तेमाल करके उससे पैसे की मांग करती थी। अपनी शिकायत में जितिन के भाई पार्श्व गिल्होत्रा (29) ने आरोप लगाया कि शादी के तुरंत बाद ससुराल वाले उसके भाई को उसके रंग-रूप को लेकर ताने मारते थे और उस पर माता-पिता से अलग रहने का दबाव डालते थे। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि उसके खिलाफ झूठा मामला दर्ज करवाया गया था। पुलिस ने बताया कि ताजा प्रकरण में जांच जारी है।

चित्तौड़गढ़ और माउंट आबू में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मानसून की सक्रियता से राजस्थान के अनेक इलाकों में पिछले कई दिनों से जोरदार बारिश हो रही है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक बीते 24 घंटे में चित्तौड़गढ़ और माउंट आबू में भारी बारिश हुई। इसके अनुसार, आज सुबह 8.30 बजे तक बीते 24 घंटों में चित्तौड़गढ़ और माउंट आबू में भारी बारिश हुई। इन दोनों जगह पर सबसे ज़्यादा 98 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस दौरान कई अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। जयपुर और बारां जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई।

मौसम केंद्र के अनुसार आज 14 अगस्त से जोधपुर, उदयपुर व अजमेर संभाग के अधिकतर भागों से बारिश की गतिविधियों में कमी होने की संभावना है। हालांकि बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। वहीं 15 अगस्त से राज्य के उत्तरी व उत्तर-पूर्वी भागों को छोड़कर अधिकतर भागों में बारिश की गतिविधियों में कमी होगी।

'जल अर्पण' प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण पहल : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के 16 अगस्त को प्रस्तावित निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़) एवं अलवर दौरे की तैयारियों की मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में समीक्षा की। उन्होंने संबंधित जिला प्रशासन को कार्यक्रमों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़) में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभा स्थल, मंच, पार्किंग, हेलीपैड, सुरक्षा, चिकित्सा, विद्युत एवं सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली और सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही चित्तौड़गढ़ एवं अलवर जिलों के कुल 1,877 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी होगा।

मुख्य सचिव ने 'जल अर्पण' को प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि यह जल जीवन मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। इसके तहत प्रदेश के 2,500 गांवों की 1,212 पूर्ण योजनाओं का शुभार्पण प्रस्तावित है। उन्होंने सभी जिलों में व्यापक भागीदारी और विशेष रूप से भीलवाड़ा, सवाई माधोपुर, टोंक एवं पूर्वी राजस्थान के जिलों में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल विभाग हेमन्त कुमार गेरा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव पशुपालन विकास सीतारामजी भाले, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल, शासन सचिव एवं पंजीयक सहकारिता विभाग डॉ. समित शर्मा, शासन सचिव सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग डॉ. रवि कुमार सुरपुर, शासन सचिव कार्मिक विभाग श्रीमती अर्चना सिंह, सचिव मुख्यमंत्री राजस्थान एवं शासन सचिव सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी जिला कलेक्टर, संभागीय आयुक्त जयपुर तथा संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

सहकारिता विभाग के कर्मियों को हर घर तिरंगा अभियान के लिए किया गया प्रेरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता विभाग की ओर से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर ''मंजिल की ओर बढते कदम'' कार्यक्रम का आयोजन आरएस क्लब में किया गया जिसमें सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों, नवाचारों एवं भावी कार्ययोजना हेतु प्रेरित किया गया। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक तथा शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ने कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सहकारिता विभाग एवं विभिन्न सहकारी संस्थाओं के अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि गत ढाई वर्षों में सहकारिता विभाग द्वारा उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है तथा सहकार से समृद्धि कार्यक्रम कें अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पहलों में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य की पहचान स्थापित की है। उन्होंने इस दौरान सहकार से समृद्धि, सहकारिता में सहकार, राजफैड की प्रमुख उपलब्धियां एवं भावी कार्ययोजना, विभागीय भावी कार्ययोजना, राजस्थान राज्य सहकारी बैंक की उपलब्धियां, राजस्थान भूमि विकास बैंक की उपलब्धियां एवं कॉनफैड की उपलब्धियां के बारे में विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ने 'मंजिल की ओर बढ़ते कदम' तथा सहकारिता विभाग एवं आरसीएस ऑफिस की 10 प्राथमिकताओं के बारे में चर्चा की गई साथ ही विभाग में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समयबद्धता, कार्य संस्कृति का निर्माण, प्रशासन में पारदर्शिता, सुशासन की स्थापना हेतु प्रेरक पीपीटी के माध्यम से कार्मिकों को प्रोत्साहित किया गया।

इस दौरान पैक्स की ऑडिट, भारत टैक्सी की उपलब्धियों एवं भावी कार्ययोजना, सहकारिता विभाग में हुए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन यथा-राजसहकार पोर्टल, राजफैड एमएसपी ओपीआर पोर्टल एवं राजफेड किसान मोबाईल एप आदि। उन्होंने आरसीएस ऑफिस की आधारभूत संरचना में हुए सुधार जैसे:- लिफ्ट, कैंटिन, फ्लैग, आरसीएस ऑफिस की स्वच्छता, एसी मरम्मत आदि कार्यों एवं कार्मिकों में कार्य संस्कृति के निर्माण के साथ सहकार वन के बारे में विस्तार से चर्चा की।

समारोह के दौरान सहकारिता विभाग एवं विभिन्न संस्थाओं के उत्कृष्ट कार्य करने वाले संजय पाठक, श्रीमती अभिलाषा पारीक, दिलीप पारीक, पंकज आसोपा, सुरेश कुमार, पवन कुमार, शशि शेखर, नीरज शर्मा, शिवराज मालव, संजय वर्मा, जगदीष सिंह, गौरव सिंह, पंकज सामरिया, अशोक विश्नोई, श्रीमती सपना, भूरसिंह, तरूण भादू, सोनू कुमार, हरिराम बेडा, श्रीमती कपिला चोयला, करण सिंह, सुषील बिसु, धर्मेंद्र सिंह, श्रीमती दीपिका सिंह, क्षितिज सेठी, धर्मेंद्र कुमार, श्रीमती गीता रानी, शैलेष सोनी, राजेश गुर्जर, शिशिर रस्तोगी, राकेश माथुर, शंशाक जैन, श्रीराम यादव, पुनीत पारीक एवं विष्णु पारीक को प्रशस्ति-पत्र तथा स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं अन्य देशभक्ति गीत गाए गए। साथ ही इस अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को तिरंगा वितरित किया गया।

सीमा के सजग प्रहरी बीएसएफ के जवान राष्ट्र के गौरव : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरहद पर तैनात बीएसएफ के जवान राष्ट्र की सुरक्षा के सजग प्रहरी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ अर्द्धसैनिक बलों को तकनीक और अत्याधुनिक संसाधनों से लैस करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अनूपगढ़ के 2 बीएनएम पहुंचकर बीएसएफ चौकी की बॉर्डर आउटपोस्ट एवं सैन्य हथियारों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान जवानों से संवाद में उन्होंने कहा कि 'जीवन पर्यन्त कर्तव्य' के ध्येय वाक्य को सार्थक करते हुए बीएसएफ त्याग, शौर्य, साहस एवं समर्पण से देश की सुरक्षा और संप्रभुता को और मजबूत कर रही है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ के जवानों ने भारतीय सेना के साथ अदम्य साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया। सीमा सुरक्षा के साथ-साथ बीएसएफ के जवान आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी अभियानों और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीएसएफ घुसपैठ और तस्करी रोकने के साथ ही सीमापार से आने वाले हथियारों, गोला-बारूद, विस्फोटकों और मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इस वर्ष 30 जून तक 22 हजार 867 करोड़ रुपये मूल्य के नारकोटिक्स जब्त किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बीएसएफ के जवानों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। साथ ही, सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं तथा कनेक्टिविटी को भी मजबूत किया गया है। इससे सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हुई है, वहीं सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ के जवानों ने मरु क्षेत्र में लाखों पौधे लगाकर पर्यावरण प्रहरी के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है। प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार द्वारा 'मिशन हरियालो राजस्थान' के तहत पांच वर्ष में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित कर अब तक 24 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सीमा सुरक्षा बल के जवान महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। केन्द्र और राज्य सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई 'वाइब्रेंट विलेज' योजना के तहत पानी, बिजली, आवास जैसी स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने 23वीं वाहिनी बीएसएफ परिसर में पौधारोपण किया। वहीं, बीएसएफ की महिला जवानों ने मुख्यमंत्री को रक्षासूत्र बांधा।

निदेशालय में पदस्थापित चिकित्सकों को ब्लॉक स्तर पर मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की मॉनिटरिंग के निर्देश

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, मौसमी बीमारियों की रोकथाम, टीबी मुक्त भारत अभियान तथा 104 जननी एम्बुलेंस सेवा सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्रीमती राठौड़ ने मातृ मृत्यु के प्रकरणों की जिलेवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधीक्षक, ट्रीटिंग डॉक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जानकारी ली। कोटा में हुई एक मातृ मृत्यु के मामले में समुचित जांच नहीं किए जाने को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित एएनएम को निलम्बित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रसूता अथवा अन्य मरीज के उपचार के दौरान परिजनों को स्थिति की पूरी जानकारी दी जाए तथा आवश्यकता होने पर उनकी समुचित काउंसलिंग भी की जाए।

प्रमुख शासन सचिव ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए निदेशालय में पदस्थापित सभी चिकित्सकों को ब्लॉक आवंटित कर जिम्मेदारी निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच, सुदृढ़ रेफरल व्यवस्था और स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने पर जोर दिया। चिकित्साधिकारी प्रभारी एवं एएनएम की सेवाओं में सुधार के लिए नियमित समीक्षा एवं आमुखीकरण बैठकें आयोजित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आगामी 15 दिनों में संभावित प्रसव वाली उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उनकी आवश्यक जांच समय पर करवाने तथा जरूरत के अनुसार अस्पताल में भर्ती कर समुचित उपचार उपलब्ध करवाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

स्वतंत्रता दिवस से पहले उच्च न्यायालय, टी3 को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 और राष्ट्रीय राजधानी में कई अन्य सरकारी कार्यालयों को स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले शुक्रवार को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने तलाशी और सुरक्षा जांच के बाद सभी धमकियों को फर्जी करार दिया। एक पुलिस सूत्र ने कहा कि दिल्ली छावनी स्थित एसडीएम कार्यालय को पूर्वाह्न 11:18 बजे, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के टर्मिनल 3 को पूर्वाह्न 11:32 बजे, जामनगर हाउस को पूर्वाह्न 11:40 बजे, साकेत एसडीएम कार्यालय को पूर्वाह्न 11:42 बजे और झंडेवालान अग्निशमन नियंत्रण कक्ष को पूर्वाह्न 11:57 बजे बम से उड़ाने की धमकी देने वाले ईमेल मिले। दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अग्निशमन सेवा की टीमें सभी पांच स्थानों पर पहुंचीं और इन सभी धमकियों को फर्जी करार दिया।

अदालत के सूत्रों के अनुसार, उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल दिल्ली पुलिस के संपर्क में हैं। सूत्रों ने बताया कि ईमेल में अपराह्न दो बजकर 11 मिनट पर दिल्ली उच्च न्यायालय में ''विस्फोट'' करने की बात कही गई है। सूचना मिलने के बाद बम निरोधक दस्ता और खोजी कुत्तों का दल उच्च न्यायालय परिसर में तैनात किया गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। राजधानी में स्वतंत्रता दिवस समारोह के कारण कई एजेंसियों ने शहर के विभिन्न स्थानों पर तलाशी और सुरक्षा जांच शुरू कर दी है। वे हाई अलर्ट पर भी हैं।

स्वतंत्रता दिवस : सीएपीएफ में सीआरपीएफ को सर्वाधिक वीरता और सेवा पदक मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को 86 वीरता और सेवा पदक मिले, जो केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) में सर्वाधिक हैं। गृह मंत्रालय द्वारा शुक्रवार जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल को 24 वीरता पदक (जीएम), विशिष्ट सेवा के लिए पांच राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) और सराहनीय सेवा के लिए 57 पदक (एमएसएम) मिले। अधिकारियों ने बताया कि ये वीरता पदक 2024 में हुए जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद रोधी दो अभियानों और मणिपुर में विद्रोहियों के खिलाफ एक अभियान के लिए मिले।

उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि बल को रक्षा मंत्रालय की ओर से दिए जाने वाले कुछ वीरता पदक भी मिलेंगे। पीएसएम पुरस्कार पाने वालों में उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) एम. दिनाकरन भी शामिल हैं। वह पूर्व में एसपीजी में थे, और अभी चेन्नई के आवडी में सीआरपीएफ भर्ती प्रशिक्षण केंद्र के प्रमुख हैं। दिनाकरन तीन दशकों से अधिक समय से अर्धसैनिक बल में सेवा दे रहे हैं। वह नक्सल रोधी अभियानों की कमान संभाल चुके हैं और सीआरपीएफ की खुफिया एवं वीआईपी सुरक्षा इकाइयों का नेतृत्व कर चुके हैं।

सनातन परंपराओं की रक्षा के लिए एकता आवश्यक : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि लोगों के बंटने और एकता की कमी की वजह से देश ने बहुत नुकसान उठाया, इसलिए सनातन परंपराओं की सुरक्षा के लिए एकता जरूरी है। दिवंगत महंत परमहंस रामचंद्र दास महाराज की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राम जन्मभूमि आंदोलन, अयोध्या के कायाकल्प और धार्मिक स्थलों खासकर संभल से जुड़े ऐतिहासिक विवादों पर विस्तार से बात की।

उन्होंने कहा, अगर किसी चीज़ की कमी है तो वह एकता की कमी है। एक साथ खड़े होने, एक स्वर में बोलने और साथ मिलकर आगे बढ़ने की क्षमता की कमी है। इतिहास को प्रेरणास्रोत के तौर पर और समाज के लिए सीख के तौर पर लेना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, आज 14 अगस्त है। स्वतंत्रता से एक दिन पहले 14 अगस्त, 1947 को न केवल हिंदू और सिख बंटे हुए थे, भारत खुद में बंटा हुआ था। जब पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदू मारे गए तो राजनीतिक पार्टियां और उनके नेता चुप रहे।

उन्होंने संभल हिंसा की याद दिलाते हुए कहा कि 2024 के संघर्ष के बाद राज्य सरकार ने शांति बहाल करने के लिए कदम उठाए और कथित अतिक्रमणों को हटाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने संभल का इतिहास खंगाला और धार्मिक स्थलों से जुड़ी जमीन पर कथित अतिक्रमण की पहचान की।

आदित्यनाथ ने कहा, हमने सभी अतिक्रमण हटा दिए। करीब 1,000 एकड़ भूमि से अतिक्रमण हटाकर जमीन वापस ले ली और इसे गरीबों, दलितों और कमजोर तबकों को आबंटित कर रहे हैं। एक सरकारी लैंड बैंक का भी सृजन किया जा रहा है और हम वहां एक बड़ा जिला मुख्यालय बनाएंगे। उन्होंने दावा किया कि जो संभल कभी सांप्रदायिक हिंसा से जुड़ा था, अब वह बदल चुका है। उन्होंने कहा कि अब वहां कोई दंगे नहीं होते और शांति है।

अयोध्या के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या को हिंदू परंपरा में सात पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है और इसे इसी के अनुरूप इसका आध्यात्मिक, सांस्कृतिक व भौतिक विकास होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने राम जन्मभूमि आंदोलन में हिस्सा लेने वाले संतों को अयोध्या के परिवर्तन का श्रेय दिया।

आरजी कर मामला : भीड़ ने गिरफ्तार पूर्व विधायक और उनके सहयोगी पर हमला किया

कोलकाता/भाषा। आरजी कर अस्पताल दुष्कर्म-हत्या मामले में एक दिन पहले ओडिशा से गिरफ्तार किए गए तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक निर्मल घोष पर शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक थाने के बाहर भीड़ ने हमला कर दिया। आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म के बाद एक महिला चिकित्सक की हत्या कर दी गयी थी। पीड़िता का जल्दबाजी में 'अंतिम संस्कार' किए जाने में कथित संलिप्तता के लिए घोष को एक दिन पहले गिरफ्तार किया गया था।

घोष को जब सुरक्षाकर्मी खरदह थाने के बाहर जेल वैन तक ले जा रहे थे, तब भीड़ ने उन पर हमला किया। उन्हें बैरकपुर उपमंडलीय अदालत में पेश करने के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस और त्वरित कार्य बल (आरएएफ) के जवानों की कड़ी सुरक्षा के बावजूद भीड़ ने उन पर जूते-चप्पल, अंडे और कीचड़ भी फेंका। घोष को बचाने के लिए पुलिसकर्मियों ने उनके सिर को हेलमेट से ढक दिया था।

खरगे के कार्यक्रम के बाद मंच के 'शुद्धीकरण' की मायावती ने निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के जनसभा को संबोधित करने के बाद मंच का कथित शुद्धीकरण किए जाने की शुक्रवार को निंदा की और इसे अति-निंदनीय और ''चिंताजनक'' बताया। मायावती ने उत्तराखंड सरकार से जातिवादी और सामंती तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''उत्तराखंड के हल्द्वानी में हाल में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम के बाद उनके मंच का दलित होने की वजह से शुद्धीकरण किया गया। यह जानकारी कल संसद के जरिए भी देश को मिली है।'' उन्होंने कहा, ''यह मामला अति-निंदनीय और चिंताजनक है। वहां की सरकार बिना किसी देरी के ऐसे जातिवादी एवं सामंती तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनों के तहत उचित कार्रवाई करे और उन्हें जेल भेजे।'' बसपा प्रमुख ने कहा, ''साथ ही, इस घटना आदि के संबंध में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख को भी संज्ञान लेकर गंभीरता से सोचना चाहिए कि जो लोग दलितों के आर्थिक रूप से थोड़ा मजबूत हो चुके लोगों को आरक्षण से वंचित करने की बात कर रहे हैं...''

जाति जनगणना पर सरकार की मंशा संदेहास्पद, राजनीतिक दलों से चर्चा नहीं हुई : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने जाति जनगणना के मुद्दे पर शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि जातियों की सूची उपलब्ध नहीं कराए जाने और उत्तरदाताओं द्वारा बताए गए जवाब को उसी रूप में दर्ज किए जाने की व्यवस्था से सरकार की मंशा पर गंभीर संदेह पैदा होता है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इस पूरे मामले में राजनीतिक दलों के साथ कोई चर्चा नहीं की गई। उनका कहना था कि यह उम्मीद की जा रही थी कि जाति संबंधी सवाल बिहार और तेलंगाना में किए गए जाति सर्वेक्षणों की तरह राज्यवार पहले से तैयार सूची के साथ पूछा जाएगा और उत्तर के अनुरूप उचित विकल्प पर केवल निशान लगाया जाएगा।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ है, जिससे मंशा पर गंभीर संदेह पैदा होता है।'' उन्होंने 'एक्स' पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा 5 मई, 2025 को जाति जनगणना के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र को भी साझा किया। रमेश ने कहा, ''यह पांच मई, 2025 को जाति जनगणना के संबंध में प्रधानमंत्री को लिखा गया कांग्रेस अध्यक्ष का पत्र था। उनके सबसे पहले और बुनियादी सुझाव को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है। साथ ही, खरगे जी की मांग के अनुसार राजनीतिक दलों के साथ भी कोई चर्चा नहीं की गई है।''

केंद्र ने शुक्रवार को जनसंख्या गणना के चरण के तहत उत्तरदाताओं से पूछे जाने वाले 40 सवालों को अधिसूचित किया। इनमें जाति और कोविड टीकाकरण की जगह से संबंधित सवाल भी शामिल हैं। इस महीने की शुरुआत में जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड के बर्फ से ढके क्षेत्रों में जनसंख्या गणना एक से 30 सितंबर तक होगी।

विभाजन के बाद बिजनौर आकर रह रहे लोगों को नागरिकता, जमीन के दस्तावेज दिए : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि विभाजन के बाद पाकिस्तान से आकर बिजनौर में बसे लोगों को नागरिकता और जमीन के दस्तावेज दिए गए हैं। योगी ने लखनऊ में विभाजन विभीषिका पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, जब मैं बिजनौर गया तो वहां ऐसे करीब 8,000 से 10,000 लोग थे, जिन्हें पाकिस्तान से विस्थापित किया गया था। कल्पना कीजिए कि वे 1947 में पाकिस्तान से आए थे, लेकिन उन्हें अपना घर कहने के लिए स्थायी जगह तक नहीं मिली थी।

उन्होंने कहा, इनमें सिख और पंजाबी लोग शामिल थे। भाजपा सरकार ने उन्हें नागरिकता दी और जमीन के दस्तावेज उपलब्ध कराए। मैं पीलीभीत भी गया, जहां हमने बांग्लादेश से विस्थापित हजारों परिवारों के दस्तावेज नियमित किए, उन्हें जमीन के कागजात उपलब्ध कराए और उनके लिए नागरिकता की भी व्यवस्था की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेश से विस्थापित सताए गए हिंदुओं और बौद्धों को लखीमपुर खीरी में नागरिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि रामपुर में पाकिस्तान से विस्थापित सिख परिवार हैं, जिनके दस्तावेज दुरुस्त किए जा रहे हैं और उन्हें नागरिकता देने की प्रक्रिया जारी है।

योगी ने कहा कि वास्तव में देश का विभाजन नहीं होना चाहिए था लेकिन जब यह त्रासदी हुई तो विस्थापित लोगों को नागरिकता और पट्टे पर जमीन देने की जिम्मेदारी कांग्रेस की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को यहां उतनी ही संपत्ति आवंटित करनी चाहिए थी, जितनी संपत्ति वहां नष्ट या जब्त की गई थी इसके बजाय, वह शत्रु संपत्ति पर कब्जा करने या उसे बचाने में लगी रही।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी के मकान से संबंधित मामले में सुनवाई 21 अगस्त तक स्थगित

अयोध्या/भाषा। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी लवकुश मिश्रा की पत्नी के निर्माणाधीन मकान से जुड़े मामले की सुनवाई शुक्रवार को नहीं हुई और अब अगली तारीख 21 अगस्त तय की गई है।

मिश्रा की पत्नी को अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने बनबीरपुर-सोहावल में बिना मंजूरी के मकान बनाने के लिए नोटिस भेजा था, क्योंकि जमीन उसकी पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम पर खरीदी गई थी।

शुक्रवार को एडीए में इस मामले की सुनवाई होनी थी, लेकिन एडीए के सचिव राजेश मिश्रा ने बताया कि वह कार्यालय में नहीं है, इसलिए सुनवाई नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि सुनवाई की अगली तारीख 21 अगस्त तय की गई है। एडीए का आरोप है कि निर्माण कार्य में भवन नियमों का उल्लंघन किया गया है।

आजम खान को गृह मंत्री बनाने संबंधी शिवपाल के बयान पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने तंज कसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव के इस बयान पर शुक्रवार को तंज कसा कि सपा के सत्ता में आने पर आजम खान को गृह मंत्री बनाया जाएगा।

आदित्यनाथ ने कहा, आज सपा उन्हीं (आजम खान) की वकालत करती है जिन्होंने देश की स्वतंत्रता का विरोध करने और भारत के विभाजन का पक्ष लेने वाले एक व्यक्ति (मोहम्मद अली जौहर) के नाम पर एक विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि सपा ने घोषणा की है कि यदि वह सत्ता में आई तो उन्हें गृह मंत्री बनाएंगे। वे फिर से दंगा भड़काना चाहते हैं।

आदित्यनाथ विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। बुधवार को यादव ने कहा था कि यदि 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उनकी पार्टी की सरकार बनी तो जेल में बंद राज्य के पूर्व मंत्री आजम खान को गृह मंत्री बनाया जाएगा। यादव ने बुधवार को रामपुर की जिला जेल में आजम खान और उनके छोटे बेटे अब्दुल्ला आजम खान से मुलाकात की थी।

पिता की हत्या करने के बाद किशोर ने मेट्रो ट्रेन के आगे कूद कर जान दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

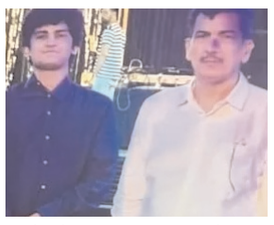

नोएडा/भाषा। नोएडा में एक किशोर ने अपने पिता की कथित रूप से हत्या करने के बाद सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार को हुयी, जब किशोर ने अपने पिता राजू शर्मा की कथित रूप से हत्या कर दी और इसके बाद वह मेट्रो स्टेशन चला गया। राजू बच्चों को ट्यूशन देता था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, किशोर पिछले करीब तीन महीने से गढ़ी चौखंडी गांव में किराए के मकान में अपने पिता के साथ रह रहा था। बताया जाता है कि वह अपने पिता के कथित कठोर व्यवहार और मां की गैरमौजूदगी को लेकर अवसादग्रस्त था। पुलिस ने बताया कि किशोर की मां ने कोविड-19 महामारी के बाद राजू को छोड़ दिया था और अलग रह रही थी। उसने बताया, बुधवार सुबह उसने पिता की हत्या कर दी, जब वह सो रहा था। इसके बाद वह सेक्टर 52 मेट्रो स्टेशन गया, जहां उसने मेट्रो ट्रेन के आगे कूद कर जान देने की कोशिश की। सेक्टर-49 थाने की पुलिस को डायल-112 के जरिए सूचना मिली कि एक लड़के ने मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन के आगे छलांग लगा ली है। मेट्रो कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों ने उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान बाद में 16 वर्षीय किशोर के रूप में हुई, जो राजू शर्मा का बेटा और नोएडा के सेक्टर-73 का रहने वाला था। पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव उसकी मां और मामा को सौंप दिया गया। राजू के शव का पता बाद में चला। राजू के भाई अरुण ने अपने भाई के किराए के मकान का पता लगाने में मदद के लिए पर्थला और गढ़ी चौखंडी पुलिस चौकियों से संपर्क किया। बृहस्पतिवार देर रात, गढ़ी चौखंडी में तिकोना पार्क के पास स्थित उस मकान से दुर्गंध आने की सूचना मिलने के बाद पुलिस और अरुण वहां पहुंचे। इसके बाद राजू का शव बरामद किया गया। पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

राहुल गांधी का अहंकार 'पागलपन' में बदल रहा है : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विदेश नीति संभालने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तरीके पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणियों की शुक्रवार को तीखी आलोचना की और कहा कि ऐसा लगता है कि उनका ''अहंकार अब पागलपन'' में बदल रहा है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने यहां संवाददाताओं से कहा, देश को यह तय करना होगा कि राहुल गांधी ने जो किया है, वह मोदी के प्रति ईर्ष्या से ग्रस्त एक निराश, परेशान और ईर्ष्यालु व्यक्ति की केवल बचकानी हरकत है, या फिर सीमा पार की ताकतों द्वारा रची गयी सुनियोजित साजिश में एक मोहरे के रूप में काम करने वाले व्यक्ति का कोई घृणित कृत्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और गांधी देश के स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक चुनौती के रूप में उभरे हैं। यह बयान उस घटना के एक दिन बाद आया है जब गांधी ने भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को ''जोकरों का समूह''बताया था, जिन्हें भारत की कोई समझ नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की भी खिल्ली उड़ाई थी और दावा किया था कि यह नीति केवल नेताओं को गले लगाने तक है। राहुल गांधी ने एक दिन पहले यहां ''रचनात्मक कांग्रेस सम्मेलन'' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री और विदेश नीति के बारे में टिप्पणी की थी। त्रिवेदी ने गांधी की टिप्पणियों की निंदा की और उन्हें ''अशिष्ट तथा अमर्यादित'' बताया।

विभाजन के जख्मों को भुलाया नहीं जा सकता : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि मुस्लिम लीग की तरफ से ''भारत पर थोपे गए'' विभाजन के जख्मों को भुलाया नहीं जा सकता और किसी को भी फिर से देश को ''नुकसान पहुंचाने'' की इजाजत नहीं दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने देश के विभाजन के बाद हुए दंगों में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''हम उस थोपे गए विभाजन के जख्मों को कभी नहीं भूलेंगे जो मुस्लिम लीग ने मां भारती को दिए थे, जिसमें अनगिनत बेगुनाह लोगों की जान चली गई थी।''

उन्होंने कहा, ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर हम उन सभी लोगों को याद करते हैं जिन्होंने अपने प्राण न्योछावर किए और संकल्प लेते हैं कि किसी को भी दोबारा देश को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं देंगे।'' भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार 2021 से 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मना रही है। यह दिन देश के विभाजन के बाद हुए दंगों और उसके बाद हुए पलायन में जान गंवाने वालों की याद में मनाया जाता है। देश में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा।

रांची में प्रदर्शन के दौरान छात्र नेता देवेंद्र महतो को बचाते समय मुझे पीटा गया : मप्र का व्यक्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के 10 अगस्त को झारखंड विधानसभा की ओर मार्च के दौरान पुलिस द्वारा किये गये लाठीचार्ज में घायल मध्यप्रदेश का शिवम सिंह रांची के सदर अस्पताल में भर्ती है। मध्यप्रदेश के सतना जिले के निवासी शिवम सिंह (36) का अस्पताल के आपातकालीन विभाग की 'हाई-डिपेंडेंसी यूनिट' (एचडीयू) में उपचार किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिंह को 11 अगस्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनकी हालत स्थिर है। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 10 अगस्त को जब हम विधानसभा की ओर बढ़ रहे थे, तब पुलिस ने छात्र नेता देवेंद्र महतो और कई छात्रों को सुरक्षा घेरे में ले लिया। जब हमने पुलिस से अनुरोध किया कि कम से कम महतो को विधानसभा परिसर में जाने दिया

जाए, तो उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने हमसे वहीं बैठने को कहा क्योंकि वे बातचीत का इंतजाम कर रहे थे। लेकिन पुलिस रात होने का इंतजार कर रही थी।

उन्होंने दावा किया, जैसे ही रात हुई, उन्होंने (पुलिस ने) स्ट्रीट लाइट बंद कर दीं और लगभग सौ पुलिसकर्मी हाथों में लाठियां लेकर दौड़े और महतो तथा उनके आस-पास मौजूद आंदोलनकारी छात्रों की पिटाई करने लगे। स्ट्रेचर पर लेटे महतो पर हमला किया गया और उसी पल मैं दौड़कर उनके पास गया और उन्हें गले लगा लिया। जब मैंने ऐसा किया, तो पुलिस ने मेरे सिर, गर्दन, कंधों, पीठ और कमर पर लाठियां मारीं। उन्होंने अपनी मेडिकल रिपोर्ट दिखाई और दावा किया कि मेरी एमआरआई रिपोर्ट में रीढ़ की हड्डी में सात चोटें पाई गई हैं। सिंह ने कहा, अगर मेरी जगह छात्र नेता देवेंद्र महतो होते, तो आप स्थिति का अंदाजा लगा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि वह एक वीडियो देखने के बाद रांची आए थे। वीडियो में एक छात्र ने देशभर के लोगों से झारखंड में जारी आंदोलन में शामिल होने की अपील की थी। इस अपील में नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन का भी उदाहरण दिया गया था। झारखंड में आंदोलनकारी छात्र और अभ्यर्थी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं समेत कई मुद्दे उठा रहे हैं।

सुविचार

कठिनाइयाँ जीवन की परीक्षा हैं। इनसे घबराएं नहीं, इनसे सीखें और निखरें। धैर्य बनाए रखें, विजय आपकी होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सशक्त भारत बनाने का लें संकल्प

दुनिया के लिए 15 अगस्त कैलेंडर की एक तारीख है और हमारे लिए आजादी का दिन। इस दिन हमारे पूर्वजों की वह साधना सफल हुई थी, जो वे सदियों से कर रहे थे। हमें वर्ष 1947 में आजादी मिली थी, और तब से अब तक कैलेंडर बदलता गया। हिन्दुस्तान के हालात और आम लोगों के जज़्बात भी बदलते गए। वहीं, कुछ चीजें ऐसी हैं, जो अब तक नहीं बदली हैं। आज हमें देश की आजादी और उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ थोड़ा-सा फिक्रमंद भी होना चाहिए, क्योंकि जो चीजें हमारे लिए गुलामी की वजह बनी थीं, वे पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। मुट्ठीभर अंग्रेजों ने करोड़ों हिन्दुस्तानियों पर राज कैसे किया था? यहां धन-दौलत की कमी नहीं थी। योद्धाओं का अकाल नहीं पड़ गया था। खून में बुजदिली भी नहीं थी। तो हुआ क्या था? हमारे पूर्वज गुलाम इसलिए हुए थे, क्योंकि वे सही समय पर खतरा नहीं भांप सके थे। वे राजनीतिक रूप से एकजुट नहीं थे। उन्होंने वैज्ञानिक आविष्कारों की ओर उतना ध्यान नहीं दिया, जितना देना चाहिए था। एक किस्सा बड़ा मशहूर है। वर्ष 1857 की क्रांति को दबाने के बाद जब अंग्रेज अधिकारी हिन्दुस्तानी क्रांतिकारियों को ज़लील करने के मकसद से उनका जुलूस निकाल रहे थे तो आम लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने का हुक्म हुआ था। अंग्रेज अपनी धाक जमाने और खौफ पैदा करने के लिए बाद में भी कई क्रांतिकारियों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करते रहे थे। अगर आम जनता उसी वक्त मुट्ठीभर अंग्रेजों पर टूट पड़ती तो हमारा इतिहास कुछ और ही होता। अफसोस, उन लोगों ने ऐसा नहीं किया। अंग्रेज अपनी जुबान से हुक्म देता था, लेकिन हिन्दुस्तानियों पर गोलियां चलाने वाले, कोड़े फटकारने वाले और लाठियां बरसाने वाले हाथ किसके थे? क्रांतिकारियों की मुखबिरी करने वाले, उन्हें गिरफ्तार कराने वाले कौन थे? इस काम के बदले अंग्रेजों से इनाम वसूलने वाले कौन थे?

वे भी हिन्दुस्तान के लोग थे। उन्होंने राष्ट्रहित से ज्यादा स्वहित और स्वार्थ को महत्त्व दिया था, इसलिए हमें सदियों तक विदेशी आक्रांताओं एवं लुटेरों का गुलाम रहना पड़ा था। अगर वे बंदूकों, कोड़ों और लाठियों का रुख मोड़ देते, अपने हिन्दुस्तानी भाइयों-बहनों को न सताते तो हम बहुत पहले आजाद हो जाते। अगर राष्ट्रीय एकता की भावना प्रबल होती तो कोई ताकत हमें गुलाम बनाने की जुर्रत ही न कर पाती। हमें अपनी आजादी को बचाना है, इसे मजबूत करना है तो राष्ट्रहित को सबसे ऊपर रखना होगा। आजाद कौमें जिम्मेदार भी होती हैं। वे अपने नायकों और प्रतिभाओं की कद्र करती हैं। यह जानकर ताज्जुब होगा कि कई क्रांतिकारियों और उनके परिजनों के साथ समाज का बर्ताव अच्छा नहीं था। एक क्रांतिकारी, जो लेखक भी थे, जब आजादी की लड़ाई के सिलसिले में जेल गए तो पीछे से मकान मालिक ने किराया बढ़ा दिया और दूधवाले ने दूध बंद कर दिया था। अपनी आखिरी सांस तक अंग्रेजों से लड़ने वाले और मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले एक क्रांतिकारी की मां को अपने ही पड़ोसियों और रिश्तेदारों से तीखे बोल सुनने पड़े थे। उन्हें आर्थिक अभावों का सामना करना पड़ा था। भगत सिंह के एक साथी, जिन्हें वे अपना भाई मानते थे, को रोजगार के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ा था। वे कई बीमारियों से जूझते रहे। एक बार जब वे किसी जरूरी काम से सरकारी दफ्तर गए तो वहां बैठे अधिकारी ने उनसे स्वतंत्रता सेनानी होने का प्रमाण मांगा था! आज चेहरे बदल गए हैं, लेकिन रवैयों में बहुत बदलाव नहीं आया है। देश के प्रतिभाशाली और हर तरह से काबिल नौजवान रोजगार के लिए भटक रहे हैं। सरकारी दफ्तरों में घूसखोरी आम हो चली है। विद्यार्थियों को अपने संघर्ष के दिनों में समाज का साथ नहीं मिलता है। जब वे अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी जैसे देशों में जाकर कामयाब हो जाते हैं तो अपने देश में उन्हें अपना साबित करने की होड़ शुरू हो जाती है। जिस ब्रिटेन से हमने अपनी जान छुड़ाई थी, आज उसका वीजा मिलने को बहुत बड़ी उपलब्धि समझा जाता है, मिठाइयां बांटी जाती हैं! हमें आजादी का जश्न मनाने के साथ अपने देश को सशक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए। इस आजादी की नींव को असंख्य बलिदानियों ने अपने खून से सींचा था। हमें इसकी बहुत कद्र और इज्जत करनी चाहिए। सबको अनंत शुभकामनाएं।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान में मेडिकल कॉलेजों में मान्यता पाने की होड़ लगी हुई है, लेकिन बुनियादी सवालों को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। प्राइवेट संस्थान एक के बाद एक मान्यता ले रहे हैं, फिर भी ज़मीनी हकीकत परेशान करने वाली बनी हुई है।

-अशोक गहलोत

जी.एस. पाटिल को कर्नाटक विधानसभा का स्पीकर चुने जाने पर बधाई और शुभकामनाएं। आपका कार्यकाल सदन की गरिमा और परंपराओं को और मजबूत करे और कर्नाटक विधानसभा के अच्छे कामकाज में योगदान दे।

-ओम बिरला

आज अनूपगढ़ की अनाज मंडी की पवित्र भूमि पर क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देते हुए लगभग छ390 करोड़ की लागत वाली 131 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया, तथा एक जनसभा को संबोधित किया गया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

पगड़ी संभाल जट्टा आंदोलन

वर्ष 1907 में अंग्रेज सरकार ने तीन नए कृषि कानून लागू किए। इन कानूनों का मकसद केवल गरीब किसानों को तड़पाना और अंग्रेजों के चाटुकार साहूकारों का घर भरना था। इन कानूनों के तहत किसान न तो अपनी ज़मीन से पेड़ काट सकते थे और न ही उस ज़मीन पर झोपड़ी बना सकते थे। ऐसे में भारतीय किसान एकजुट हो गए। उन्होंने लायलपुर में, जो कि वर्तमान में पाकिस्तान में है, से आंदोलन आरंभ कर दिया। आंदोलन का नेतृत्व सरदार अजीत सिंह कर रहे थे। सरदार अजीत सिंह शहीद भगत सिंह के चाचा थे। धीरे-धीरे यह आंदोलन पूरे देश में फैल गया। अनेक पत्रकार भी इस आंदोलन का हिस्सा बन गए। 'झंग स्याल' नामक अखबार के संपादक बांके दयाल इस आंदोलन से पूरी तरह जुड़ गए। वे एक कवि भी थे। जब किसान अंग्रेजों के खिलाफ एकजुट होकर नारे लगाते तो बांके दयाल अपनी कविता गाकर उनका जोश बढ़ाते। इस कविता के बोल थेपगड़ी संभाल जट्टा। पगड़ी संभाल ओ। सीने विच खावें ती। रांझा तूं देश ए ही। संभल के चल ओए वी। रस्ते विच खोल ओ।' यह कविता धीरे-धीरे सभी किसानों को पूरी याद हो गई।

स्वतंत्रता के 79 वर्ष

सामयिक

उपलब्धियों का उत्सव, आत्ममंथन का अवसर

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

15 अगस्त भारत की आत्मा, स्वाभिमान और सामूहिक संकल्प का उत्सव है। यह वह ऐतिहासिक क्षण है, जब सदियों की पराधीनता के बाद भारत ने स्वतंत्रता का अमृत प्राप्त किया और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित एक नए युग की शुरुआत की। स्वतंत्रता के 79 वर्षों की इस यात्रा में भारत ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं, अनेक चुनौतियों का सामना किया है और अनेक ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिन पर प्रत्येक भारतीय गर्व कर सकता है। आज जब पूरा देश तिरंगे के सम्मान में एकजुट होकर स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, तब यह अवसर केवल उपलब्धियों का उत्सव मनाने का ही नहीं बल्कि आत्ममंथन और भविष्य के संकल्प का भी है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह अपने आप में एक ऐसी उपलब्धि है, जिसकी मिसाल दुनिया में बहुत कम मिलती है। विविध भाषाओं, संस्कृतियों, धर्मों और परंपराओं से समृद्ध इस देश ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को न केवल सफलतापूर्वक अपनाया बल्कि उसे लगातार सशक्त भी बनाया। करोड़ों मतदाता नियमित रूप से चुनावों में भाग लेते हैं, सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण होता है और संविधान सर्वोच्च मार्गदर्शक के रूप में देश को दिशा देता है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने विकास की जिस यात्रा का आरंभ किया था, वह आज वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान बना चुकी है। कभी खाद्यान्न संकट से जूझने वाला देश आज दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों में शामिल है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान में भारतीय वैज्ञानिकों ने सीमित संसाधनों के बावजूद ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिन्होंने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। चंद्रयान और आदित्य जैसे मिशनों ने सिद्ध कर दिया है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं बल्कि ज्ञान और नवाचार का नेतृत्व करने वाला देश बन रहा है।

डिजिटल क्रांति ने लोकतंत्र को नई शक्ति प्रदान की है। आज सरकारी सेवाएं डिजिटल माध्यम से लोगों तक पहुंच रही हैं। डिजिटल भुगतान, आधार, यूपीआई, ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन और ई-गवर्नेंस जैसी व्यवस्थाओं ने शासन को अधिक पारदर्शी, तेज और नागरिक-केंद्रित बनाया है। ग्रामीण भारत भी डिजिटल परिवर्तन का सहभागी बन रहा है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं बल्कि लोकतंत्र को अधिक सहभागी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भारत की आर्थिक यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। आज देश विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार, विनिर्माण, हरित ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उद्यमिता की नई संस्कृति विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार कर रही है।

निश्चित रूप से यह भी स्वीकार करना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता। उसकी वास्तविक सफलता तब मानी जाती है, जब संसद, विधानसभाएं, न्यायपालिका, मीडिया और नागरिक समाज अपनी-अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें। संसदीय बहसें जितनी सार्थक होंगी, नीतियां उतनी ही प्रभावी बनेंगी। स्वस्थ संवाद, रचनात्मक विपक्ष, जवाबदेह सरकार और जागरूक नागरिक, इन्हीं चार स्तंभों पर लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती निर्भर करती है। आज भारत अनेक नई चुनौतियों का भी सामना कर रहा है। तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियां, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, सामाजिक समरसता, रोजगार, शिक्षा की गुणवत्ता और तकनीकी परिवर्तन जैसे विषय हमारे सामने हैं। इन चुनौतियों का समाधान केवल सरकारों से नहीं बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से संभव है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब नागरिक केवल अधिकारों की बात न करें बल्कि अपने कर्तव्यों के प्रति भी समान रूप से सजग रहें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक मतभेद लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रहें। विचारों का संघर्ष लोकतंत्र की शक्ति है लेकिन व्यक्तिगत कटुता और संस्थाओं के प्रति अविश्वास उसकी कमजोरी बन सकते हैं। संसद और विधानसभाएं केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के मंच नहीं बल्कि जनहित के सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान हैं। इनकी गरिमा बनाए रखना सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की समान जिम्मेदारी है। लोकतंत्र की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार नागरिकों का चरित्र होता है। यदि समाज ईमानदारी, अनुशासन, संवेदनशीलता और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है तो लोकतांत्रिक संस्थाएं भी स्वतः सुदृढ़ होती हैं। भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक वैमनस्य और असहिष्णुता जैसी चुनौतियों का समाधान केवल कानून से नहीं, नैतिक जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व से भी संभव है।

स्वतंत्रता दिवस हमें उन लाखों ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है, जिन्होंने बिना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के अपना सर्वस्व राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। उनका सपना केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं था बल्कि ऐसा भारत बनाना था, जहां समान अवसर, सामाजिक न्याय, शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, आर्थिक समृद्धि और मानवीय गरिमा प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध हो। आज विकसित भारत-2047 का संकल्प उसी स्वप्न का आधुनिक विस्तार है। भारत आज दुनिया में शांति, लोकतंत्र, सह-अस्तित्व और वसुधैव कुटुम्बकम के संदेश के साथ आगे बढ़ रहा है। वैश्विक मंचों पर उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, आर्थिक क्षमता, वैज्ञानिक उपलब्धियां और सांस्कृतिक विरासत इस बात का प्रमाण हैं कि भारत केवल अपने लिए नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए सकारात्मक भूमिका निभाने की क्षमता रखता है।

स्वतंत्रता के 79 वर्षों की यात्रा हमें यह विश्वास दिलाती है कि चुनौतियां चाहे कितनी भी बड़ी हों, भारत ने हर कठिन दौर को अवसर में बदलने की क्षमता दिखाई है। यही हमारी लोकतांत्रिक शक्ति है और यही हमारी राष्ट्रीय पहचान। आज आवश्यकता केवल इतनी है कि हम संविधान के आदर्शों, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित को अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखें। यदि प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करे, प्रत्येक जनप्रतिनिधि जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे और प्रत्येक संस्था अपनी संवैधानिक मर्यादा का पालन करे तो विकसित, समृद्ध, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत का सपना निश्चित रूप से साकार होगा। इस स्वतंत्रता दिवस पर आइए, हम केवल आजादी का उत्सव न मनाएं बल्कि एक नए भारत के निर्माण का संकल्प भी लें, ऐसा भारत, जो लोकतांत्रिक मूल्यों में और अधिक मजबूत हो, वैज्ञानिक दृष्टि में अग्रणी हो, सामाजिक समरसता का प्रतीक हो और विश्व समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत बने। यही स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही आजादी के वास्तविक अर्थ को सार्थक करने का सर्वोत्तम मार्ग भी।

नजरिया

15 अगस्त तीज पर विशेष

महिलाओं का उत्सव है तीज

रमेश सर्राफ
मोबाइल : 9414255034

तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौंहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं।

तीज का उत्सव श्रावण मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। यह महिलाओं का उत्सव है। सावन में जब सम्पूर्ण प्रकृति हरी ओढ़नी से आच्छादित होती है उस अवसर पर महिलाओं के मन मयूर नृत्य करने लगते हैं। वृक्ष की शाखाओं में झूले पड़ जाते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसे कजली तीज के रूप में मनाते हैं। सुहागन स्त्रियों के लिए यह व्रत बहुत महत्व रखता है। आस्था, उमंग, सौंदर्य और प्रेम का यह उत्सव शिव-पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। चारों ओर हरियाली होने के कारण इसे हरियाली तीज कहते हैं। इस अवसर पर महिलाएं झूला झूलती हैं, लोकगीत गाती हैं और आनन्द मनाती हैं। सौंदर्य, प्रेम के उत्सव और आस्था के इस व्रत का महिलाओं के लिए बड़ा महत्व है, विशेष रूप से नव विवाहिताओं के लिए। यह त्योहार मुख्य रूप से उत्तर भारत (राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर पदेश, बिहार और झारखंड) में धूमधाम से मनाया जाता है। परंपरा के अनुसार नवविवाहिताएं पहला व्रत मायके में रखती हैं और इसके लिए झूले सजाए जाते हैं, लोक गीत गाए जाते हैं। देश के कई हिस्सों में मेले लगते हैं और माता पार्वती की सवारी निकाली जाती है।

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं।

श्रावण मास का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं।

सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है। श्रावण में में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं। तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है।

राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्वारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है। तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्वारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है।

तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौंहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्यौंहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिये राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है 'तीज त्यौंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर।'

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बलूचिस्तान के मंत्री के काफिले पर सशस्त्र हमला, बाल-बाल बचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची/भाषा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के एक मंत्री शुक्रवार को अपने काफिले पर हुए सशस्त्र हमले में बाल-बाल बच गए। इस हमले में तीन पुलिसकर्मियों समेत छह लोग घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद के अनुसार, प्रांतीय गृह मंत्री मीर जियाउल्लाह लांगोव के काफिले पर यह हमला मस्तुंग जिले के खड कोचा इलाके में हुआ जब वह क्वेटा से कलात जा रहे थे। रिंद ने कहा, हमले में छह लोग घायल हुए हैं, लेकिन मंत्री सुरक्षित हैं और काफिला क्वेटा लौट आया है।

मस्तुंग का खड कोचा इलाका सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बन गया है। पिछले महीने से अब तक यह चौथी घटना है, जब इसी राजमार्ग पर यात्रियों को आतंकवादियों ने निशाना बनाया है। इन घटनाओं के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ इलाके में बड़ा अभियान चलाया था, इसके बावजूद फिर से हमला हुआ है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले में छह लोगों को गोली लगी जिनमें तीन पुलिसकर्मी शामिल हैं। इनमें से दो की हालत गंभीर है। घायलों को क्वेटा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

बीएचईएल ने पीईएम इलेक्ट्रोलाइजर प्रणाली के लिए नार्वे की हाइस्टार के साथ किया रणनीतिक समझौता

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने देश में हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं के लिए नॉर्वे की हाइस्टार एएस के साथ रणनीतिक समझौता किया है। इसका मकसद पीईएम इलेक्ट्रोलाइजर प्रणालियों के चरणबद्ध स्वदेशीकरण और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देना है। समझौते पर बीएचईएल के कार्यकारी निदेशक वाई. श्रीनिवास राव (हेवी पावर इक्विपमेंट प्लांट, हैदराबाद) और महाप्रबंधक एवं प्रमुख (न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी बिजनेस) सुतृप्तो डे तथा हाइस्टार एएस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फ्रेड्रिक मोविल ने हस्ताक्षर किए।

बीएचईएल इस वर्ष में ही एल्कलाइन इलेक्ट्रोलाइजर प्रणाली के लिए थाइसनक्रुप न्यूसेरा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ रणनीतिक समझौता कर चुका है। हाइस्टार के साथ पीईएम इलेक्ट्रोलाइजर प्रणाली को लेकर हुआ यह समझौता देश के उभरते हरित हाइड्रोजन बाजार में बीएचईएल की स्थिति को और मजबूत करेगा। इस साझेदारी के बाद बीएचईएल उन चुनिंदा भारतीय कंपनियों में शामिल हो गया है, जो एल्कलाइन और पीईएम दोनों तरह की इलेक्ट्रोलाइजर प्रणालियों की पेशकश करने में सक्षम हैं। बीएचईएल भारत की अग्रणी इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण कंपनियों में से एक है, जिसे बिजली, पारेषण, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस, परिवहन, रक्षा और वैमानिक क्षेत्रों में दशकों का अनुभव प्राप्त है।

यह समझौता राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन और भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल में बीएचईएल के योगदान को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

'जीतो' के कॉन्टैक्ट से पृथ्वीराज कोठारी के नाम पर 75 लाख की ठगी, दो गिरफ्तार, 25 लाख बरामद

बिजनेस सेक्टर और जीतो सदस्यों को सतर्क रहने की जरूरत

विशेष संवाददाता
dakshinbharat.com

अहमदाबाद। बुलियन कारोबारी और जीतो अपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी के नाम पर हैदराबाद के एक कारोबारी से 75 लाख की ठगी के मामले में अहमदाबाद पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने जीतो की वेबसाइट से व्यापारियों के मोबाइल नंबर हासिल किए और बाद में फर्जी पहचान के जरिए कारोबारियों से संपर्क किया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम मोड़सिंह उर्फ विक्रमसिंह राजपुरोहित और भरतगिरि खेमगिरि गोस्वामी है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपियों के खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों में कम से कम 22 मामलों में संलिप्तता की जांच की जा रही है। इस मामले में एक अन्य आरोपी के फरार होने की जानकारी भी सामने आई है।

पूरा मामला इस प्रकार बताया गया है कि 8 जुलाई को हैदराबाद के कारोबारी रोहन जैन से मोबाइल पर संपर्क किया गया। फोन करने वाले ने कथित तौर पर खुद को पृथ्वीराज कोठारी बताया। बातचीत के दौरान कारोबारी का विश्वास हासिल करने के बाद उसे 75 लाख अहमदाबाद की एक अंगड़िया फर्म के माध्यम से भेजने के लिए कहा गया।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने जीतो की वेबसाइट पर उपलब्ध सदस्यों के संपर्कों का इस्तेमाल किया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अन्य व्यापारियों के मोबाइल नंबर भी जीतो की वेबसाइट से हासिल करने की बात स्वीकार की है।

अहमदाबाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को 12 अगस्त को गिरफ्तार किया। उनके पास से 25 लाख नकद और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। यह मामला मूल रूप से हैदराबाद में दर्ज हुआ था, जिसे अहमदाबाद की कालूपुर पुलिस को स्थानांतरित किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में दर्ज 22 मामलों से उनके संबंधों की जांच की जा रही है।

पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या अन्य मामलों में भी प्रतिष्ठित कारोबारी या उद्योगपतियों की पहचान का इस्तेमाल कर व्यापारियों से संपर्क किया गया था? यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों ने जीतो की वैबसाइट से कितने व्यापारियों के मोबाइल नंबर हासिल किए और उनमें से कितने लोगों से संपर्क किया गया ? साथ ही जिस अंगड़िया फर्म के माध्यम से 75 लाख भेजने के लिए कहा गया था, उसकी भूमिका और आरोपियों के साथ उसके संभावित संपर्क की भी जांच की जा सकती है।

जीतो के एपेक्स चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी ने अपील की है कि जीतो सदस्यों और व्यापारिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को फोन पर संपर्क में, वित्तीय लेनदेन में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। किसी परिचित कारोबारी, संस्था के पदाधिकारी या व्यावसायिक संपर्क के नाम से फोन आने पर केवल मोबाइल नंबर या आवाज के आधार पर लेनदेन करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इस मामले के आरोपियों पर पृथ्वीराज कोठारी के नाम, पहचान और व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर कारोबारी को विश्वास में लेने का आरोप है। अहमदाबाद पुलिस की आगे की जांच से यह स्पष्ट होगा कि इस मामले में आरोपियों का नेटवर्क कितना बड़ा था और जीतो की वेबसाइट से हासिल किए गए कारोबारी संपर्कों का कथित रूप से कितने मामलों में इस्तेमाल किया गया। इसीलिए अतिरिक्त सावधानी बरतते हुए विशेष रूप से यदि किसी फोन कॉल में तत्काल बड़ी रकम भेजने, माल देने या किसी विशेष अंगड़िया के माध्यम से भुगतान करने के लिए कहा जाए तो संबंधित व्यक्ति से उसके पहले से उपलब्ध नंबर पर संपर्क कर स्वतंत्र रूप से पुष्टि करना उचित होगा।

जेनेलिया देशमुख ने की 'ऑपरेशन सफेद सागर' की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

कुछ कहानियां इतिहास के उन पन्नों से अवगत करवाने के लिए प्रदर्शित की जाती हैं, जो पुराने दस्तावेजों में दबी होती हैं। हालिया रिलीज ऐतिहासिक वॉर ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' कुछ ऐसी ही कहानी पेश करती है। गुरुवार को अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख ने जमकर सराहना की। सीरीज को मनोरंजन जगत से काफी सपोर्ट देखने को मिल रहा है। अभिनेता अजय देवगन, गजराज राव के बाद अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख भी सीरीज की तारीफ करने से खुद को नहीं रोक पाई। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सीरीज का पोस्टर शेयर किया, जिसमें उन्होंने सभी को सीरीज की जमकर तारीफ करने के साथ-साथ देखने की अपील की। जेनेलिया ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने काफी समय बाद शानदार प्रोजेक्ट देखा है। अपने पोस्ट में उन्होंने सिद्धार्थ और जिम्मी शेरगिल की सराहना करने के साथ सभी कलाकारों और क्रू को बधाई दी।

अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख ने लिखा, जब कोई माता-पिता अपने बच्चों के कोई फिल्म देखने के लिए कहता है, तो बस इतना समझिए कि वो फिल्म दिल से बनी है और बहुत खास है। सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर ने मुझे बिल्कुल यही एहसास करवाया है। काफी समय के बाद इतनी अच्छी और दिल छू लेने वाली कहानी देखी। सिद्धार्थ, तुम पर मुझे गर्व है, जिम्मी शेरगिल को भी ढेर सारी शुभकामानएं, प्यार और बधाई।इसके साथ ही अभिनेत्री ने फिल्म के मुख्य कलाकारों को टैग किया, साथ ही, सभी के बेहतरीन काम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, सीरीज के सभी कलाकारों और पूरी कास्ट और क्रू, आप सभी कमाल के थे।'ऑपरेशन सफेद सागर' 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना (आईएएफ) द्वारा चलाए गए ऐतिहासिक उच्च-तुंगता हवाई मिशन की सच्ची और अनकही कहानी पर आधारित है। इस सीरीज की खासियत यह है कि यह युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि पायलटों के व्यक्तिगत जीवन, उनकी ट्रेनिंग, परिवारों की चिंता और सैनिकों के मानवीय जज्बे को भी गहराई से दर्शाती है। ओनी सेन द्वारा निर्देशित सीरीज में जिमी शेरगिल, सिद्धार्थ, दीया मिर्जा, अभय वर्मा, आदिल हुसैन और प्राजक्ता कोली समेत कई कलाकार अहम रोल में नजर आ रहे हैं। 6 एपिसोड वाली सीरीज नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

प्रियंका चोपड़ा ने श्रीदेवी के जीवन पर आधारित किताब 'एम्प्रेस' के आवरण का विमोचन किया

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने दिवंगत श्रीदेवी के पांच दशक के कॅरियर और उनकी यादगार विरासत को बयां करने वाली किताब ''एम्प्रेस : द डेफिनिटिव बायोग्राफी ऑफ श्रीदेवी'' के आवरण का विमोचन किया। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, धीरज कुमार द्वारा लिखी गई और वेस्टलैंड बुक्स द्वारा प्रकाशित यह किताब श्रीदेवी के बचपन के हुनर से लेकर भारतीय सिनेमा की बड़ी कलाकार बनने तक के सफर को दिखाती है। इसमें उनकी 300 से ज़्यादा फिल्मों का ज़िक्र है। प्रियंका ने बृहस्पतिवार को श्रीदेवी के जन्मदिन के मौके पर सोशल मीडिया पर इस पुस्तक का आवरण जारी किया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, बेमिसाल। आपकी बहुत याद आती है। स्वर्ग में जन्मदिन मुबारक हो। ''एम्प्रेस'' जल्द आ रही है।'' श्रीदेवी के जीवन पर आधारित यह किताब मूलत: नायक प्रधान फिल्म उद्योग में उनके अभूतपूर्व तरीके से 'स्टारडम' हासिल करने, उनके जबरदस्त अभिनय और कई पीढ़ियों के अदाकारों और दर्शकों पर उनके असर का जायजा लेती है। इसमें सुर्खियों से दूर अभिनेत्री की जिंदगी की झलक भी दिखाई देती है और भारतीय सिनेमा के विकास के साथ उनके करियर को भी दर्शाया गया है। ''एम्प्रेस'' में भारतीय फिल्म जगत की जानी-मानी हस्तियों द्वारा लिखी गई सात प्रस्तावनाएं, अमिताभ बच्चन और जावेद अख्तर का खास योगदान और 150 से अधिक दुर्लभ तस्वीरें शामिल हैं। वेस्टलैंड बुक्स की कार्तिका वी.के. ने कहा कि कुमार द्वारा लिखी गई इस किताब को प्रकाशित करना सम्मान की बात है।

तिरंगा यात्रा

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत 'तिरंगा यात्रा' में भाग लेते भारतीय जनता पार्टी के नेता और समर्थक।

मंत्री ने विजयनगर में ध्वजारोहण की जिम्मेदारी और जिले के प्रभारी की भूमिका से छूट मांगी

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री बी. जमीर अहमद खान के स्वतंत्रता दिवस पर विजयनगर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने से छूट मांगने के बाद सरकार ने यह जिम्मेदारी मंत्री के. एस. बसवंथप्पा को सौंप दी। बेंगलूरु के चामराजपेट से विधायक खान ने समय की कमी का हवाला देते हुए विजयनगर जिले के प्रभारी मंत्री की जिम्मेदारी लेने से भी इनकार कर दिया है। उन्होंने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को पत्र लिखकर इन दोनों जिम्मेदारियों से छूट मांगी।

खान ने अपने पत्र में कहा, ''आने वाले दिनों में राज्य में कई स्थानीय निकायों (जैसे बीबीएमपी जिसे अब ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी-जीबीए कहा जाता है) के चुनाव, विधानसभा उपचुनाव और पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियां होंगी।

संदीपा धर ने किए शंकराचार्य मंदिर के दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस संदीपा धर इन दिनों कश्मीर की वादियों से लगातार खूबसूरत तस्वीरें अपने फैंस के साथ साझा कर रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी इस यात्रा की शुरुआत आध्यात्मिक अनुभव से की। श्रीनगर पहुंचते ही वह सबसे पहले शंकराचार्य मंदिर पहुंचीं। पहाड़ी की चोटी पर बने इस मंदिर तक पहुंचने के लिए उन्हें करीब 250 सीढ़ियां चढ़नी पड़ीं। रास्ता आसान नहीं था, लेकिन ऊपर पहुंचने के बाद उन्हें जो अनुभव मिला, उसने पूरी थकान भुला दी। संदीपा ने इंस्टाग्राम पर अपनी इस यात्रा की झलकियां शेयर करते हुए कहा, ''श्रीनगर में आने के बाद सबसे पहली इच्छा इसी मंदिर में जाने की थी। शंकराचार्य पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक पहुंचने के लिए मुझे लगातार सीढ़ियां चढ़नी थीं। ऊंचाई पर चढ़ते हुए पहाड़ की हवा और खड़ी चढ़ाई ने मुश्किलों को बढ़ा दिया। बीच रास्ते में मेरे पैर कांपने तक लगे थे, लेकिन मैंने चढ़ाई जारी रखी।'' उन्होंने कहा, ''आखिरकार जब मैं मंदिर की चोटी तक पहुंचीं तो ऐसा लगा, जैसे मेरी मेहनत

सफल हो गई हो। वहां मैंने पवित्र शिवलिंग के दर्शन किए और कुछ समय प्रार्थना की। मंदिर का शांत माहौल और आसपास का आध्यात्मिक वातावरण काफी खास था।''

संदीपा ने उस जगह पर खड़े होने का अनुभव भी साझा किया, जहां मान्यता है कि आदि शंकराचार्य ने सदियों पहले ध्यान किया था। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने महसूस किया कि इस जगह में एक अलग तरह की ऊर्जा है, जिसे शब्दों में बताना आसान नहीं है।पहली बार शंकराचार्य मंदिर पहुंचीं संदीपा ने अपने दर्शन को बेहद सौभाग्यशाली बताया और अपनी पोस्ट में 'ॐ नमः शिवाय' लिखा।

शंकराचार्य मंदिर धार्मिक महत्व के साथ-साथ अपनी लोकेशन के लिए भी खास है। यह मंदिर कश्मीर घाटी से करीब 1,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। चोटी पर पहुंचने के बाद यहां से श्रीनगर शहर और डल झील का शानदार नजारा दिखाई देता है।इस मंदिर का इतिहास भी काफी पुराना माना जाता है। इसे कश्मीर के प्राचीन मंदिरों में शामिल किया जाता है और इसकी शुरुआत करीब 200 ईसा पूर्व के आसपास मानी जाती है।

मंदिर का नाम आदि शंकराचार्य से जुड़ा है और मान्यता है कि उन्होंने यहां ध्यान किया था। हालांकि, इतिहास को लेकर अलग-अलग मत भी मौजूद हैं। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि इस स्थान का इस्तेमाल शुरुआती दौर में बौद्ध उपासना के लिए किया जाता था और बाद में यह हिंदू धार्मिक स्थल के रूप में विकसित हुआ। अगर संदीपा के काम की बात करें तो वह जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज 'चुंबक' में नजर आने वाली हैं।

सलमान खान और संजय दत्त की फिर दिखेगी जोड़ी, '7 डॉग्स' के ट्रेलर ने बढ़ाई हलचल

मुंबई/एजेन्सी

सलमान खान और संजय दत्त को एक साथ पर्दे पर देखने का अपना ही क्रेज है। दोनों जब भी किसी प्रोजेक्ट में साथ नजर आते हैं, फैंस की दिलचस्पी अपने आप बढ़ जाती है। अब एक बार फिर यह जोड़ी चर्चा में है लेकिन इस बार मामला किसी बॉलीवुड फिल्म का नहीं बल्कि एक बड़े इंटरनेशनल एक्शन प्रोजेक्ट का है। ग्लोबल एक्शन थ्रिलर '7 डॉग्स' का ट्रेलर भारत में रिलीज हो चुका है। इसमें सलमान खान और संजय दत्त की खास मौजूदगी देखने को मिल रही है। ट्रेलर ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। सलमान खान ने भी फिल्म का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। फिल्म में सलमान और संजय दत्त का स्पेशल एक्शन अपीयरेंस है। हालांकि, दोनों फिल्म की कहानी में किस भूमिका में हैं, यह अभी पूरी तरह सामने नहीं आया है, लेकिन ट्रेलर में उनकी मौजूदगी फैंस के बीच भी उत्सुकता बढ़ाती है।

अन्य स्टारकास्ट की बात करें, तो फिल्म में मिस्र के मशहूर अभिनेता करीम अब्देल अजीज और अहमद एज मुख्य भूमिका में हैं। भारत की तरफ से सलमान खान और संजय दत्त इस बड़े इंटरनेशनल कास्ट का हिस्सा हैं। इनके अलावा हॉलीवुड और यूरोप से मोनिका बेलुची, जियानकार्लो एस्पोसिटो और मार्टिन लॉरेंस जैसे नाम भी फिल्म से जुड़े हैं। वहीं तारा इमाद, नासिर अल-कसाबी और मैक्स हुआंग भी अहम कलाकारों में

शामिल हैं।ट्रेलर में शुरुआत से ही एक्शन देखने को मिलता है। कहानी के केंद्र में करीम अब्देल अजीज और अहमद एज नजर आते हैं, जबकि अलग-अलग हिस्सों में बाकी कलाकारों की झलक दिखाई देती है। तेज रफ्तार एक्शन, खतरनाक स्टंट और बड़े पैमाने पर शूट किए गए सीक्वेंस फिल्म को एक इंटरनेशनल एक्शन थ्रिलर वाला अंदाज देते हैं। सलमान और संजय की एंट्री इस पूरे माहौल में एक अलग ही रंग जोड़ती है। '7 डॉग्स' के निर्देशन की जिम्मेदारी आदिल एल अरबी और बिलाल फलाह ने संभाली है। यह वही निर्देशक जोड़ी है, जिसने हॉलीवुड की मशहूर 'बैड बॉयज' फ्रेंचाइजी की फिल्मों 'बैड बॉयज फॉर लाइफ' और 'बैड बॉयज: राइड और डाइ' का निर्देशन किया है। इसका निर्माण सेला स्टूडियोज ने किया है। '7 डॉग्स' 21 अगस्त को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

श्री डी. के. शिवकुमार
माननीय मुख्यमंत्री

डा. जी. परमेश्वर
माननीय उपमुख्यमंत्री

सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ

80वाँ स्वतंत्रता दिवस

युवा कर्नाटक नवा भारत

सच्ची आज़ादी का अर्थ आज युवाओं को बिना किसी सीमा के सपने देखने के लिए सशक्त बनाना, हर परिवार को भूख और आर्थिक चिंता से मुक्त करना, महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा करना और प्रत्येक नागरिक के लिए गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना है।

कर्नाटका की पाँच गारंटी योजनाएँ इन आकांक्षाओं को वास्तविकता में बदल रही हैं, जिससे लाखों लोगों के जीवन में नई आशा, सुरक्षा और अवसर आ रहे हैं।

महात्मा गांधी के अंत्योदय' और सर्वोदय' के आदर्शों से प्रेरित तथा **डॉ. बी. आर. अंबेडकर** के **संवैधानिक मूल्यों** द्वारा निर्देशित, हम **युवा कर्नाटका, नवा भारत'** की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं – जो **कर्नाटका के विकास मॉडल पर आधारित है** और हमारे युवाओं की ऊर्जा एवं आकांक्षाओं से प्रेरित है।

गारंटी सरकार

हमारी जीवंत संस्कृति और परंपरा की रक्षा और सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है, जो हमारे संविधान द्वारा प्रदान किया गया है।

Shakthi शक्ति | Anna Bhagya अन्न भाग्य | Gruha Jyothi गृह ज्योति | Gruha Lakshmi गृह लक्ष्मी | Yuva Nidhi युवा निधि

स्वतंत्रता दिवस संदेश सुनने के लिए स्कैन करें।

CMofKarnataka https://dipr.karnataka.gov.in/ Karnatakavarthe karnataka information

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.